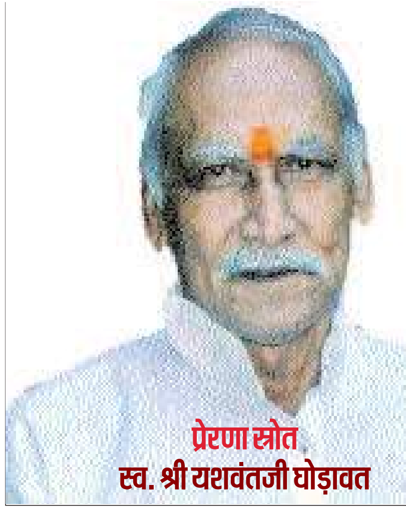
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

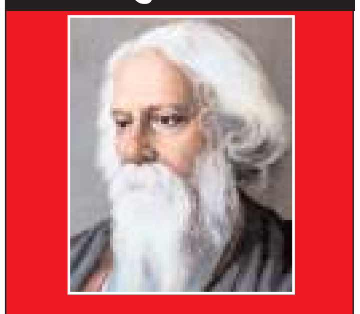

कला के जरिये व्यक्ति खुद की पहचान उजागर करता है, वस्तुओं से नहीं...
◂◂ रविन्द्रनाथ टैगोर

वर्ष-03, अंक-31 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 6 मई 2021 | पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

माँ के आँचल में बाइक पर ही वकील बेटे ने तोड़ा दम
मेडिकल कॉलेज में बेड नहीं मिलने पर भटक रहे थे परिजन

एडवोकेट सुरेश डागर

इलाज के अभाव में वकील पुत्र ने माँ के आँचल में तोड़ा दम

माही की गूंज रतलाम, राघवेन्द्र सिंह डोडिया

मंगलवार शाम को रतलाम में रोंगटे खड़े करने वाला हादसा सामने आया, जब एडवोकेट सुरेश डागर की मौत बाइक पर हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एडवोकेट सुरेश डागर का स्वास्थ्य खराब होने की स्थिति में उन्हें मेडिकल कॉलेज रतलाम उनके भाई अनिल और माँ बाइक पर ले गए। करीब 2 घंटे तक परिजन बेड लेने के लिए परेशान हुए और जब उन्हें निराशा हाथ लगी तो वह उपचार के लिए तीनों बाइक पर सवार होकर माँ अपने बेटे को अपने आँचल में पकड़कर रतलाम के निजी चिकित्सालय ले जा रहे थे, तभी श्रीराम मंदिर चौराहे पर एडवोकेट सुरेश डागर ने तड़फ्ते हुए माँ के आँचल में ही बाईक पर दम तोड़ दिया। दर्दनाक हदासे के बाद एक बार फ्रि प्रशासन के सारे दावो की पोल खुल गई। प्रशासन की लापरवाही के चलते आज एक बार फ्रि परिवार अनाथ हो गया। एडवोकेट डागर ने बाइक पर दम तोड़ दिया तब ड्यूटी पर तैनात उप निरीक्षक विश्वकर्मा नगर सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल मिश्रा ने तत्काल सहायता की और उन्हें एंबुलेंस की व्यवस्था कराकर मृतक के परिवार को राहत पहुंचाई।

न्यायालय पहुँचा मामला

रतलाम एडवोकेट सुरेश डागर का चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में चलती बाईक पर ही निधन होने के पश्चात रतलाम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेन्द्र गुप्ता, रतलाम कलेक्टर गोपालचंद्र डाड, सीएचएमओ डॉ. प्रभाकर ननावरे एवं रतलाम आयुष हॉस्पिटल के संचालक डॉ. राजेश शर्मा द्वारा, माननीय उच्च न्यायालय के रिट याचिका क्रमांक 8914/2020 में पारित आदेश दिनांक 19 अप्रेल का उल्लंघन करने पर इनके विरूद्ध अवमानना की कार्रवाई संस्थित करने को लेकर चीफजस्टिस को सूचना पत्र भेजा है।

आईपीएल को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दर्ज, एक हजार करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग

मुम्बई, एजेंसी। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बाद आईपीएल 2021 को अनिश्चित काल के लिए टाल दिया गया है। इसके बाद बोर्ड ऑफ क्रिकेट कंट्रोल इंडिया को एक और झटका लगा है। आईपीएल को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट में जनहित में एडवोकेट वंदना शाह ने याचिका दायर कर कोरोना काल में आईपीएल के आयोजन के लिए बीसीसीआई से एक हजार करोड़ रुपए का हर्जाना देने की मांग की है। इसके साथ ही याचिका में कहा गया है कि, आईपीएल 2021 के अपने मुनाफे में से बीसीसीआई कोरोना का इलाज कर रहे अस्पतालों को डोनेशन दे।

खिलाड़ियों के संक्रमित होने के बाद टला आईपीएल

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल और बीसीसीआई ने मंगलवार को इमरजेंसी मीटिंग के बाद आईपीएल को टालने का फैसला लिया था। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज रिद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल के दिग्गज स्पिनर अमित मिश्रा के कोविड-19 से संक्रमित होने के कुछ घंटों बाद यह फैसला आया। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के वरुण चक्रवर्ती और संदीप वॉरियर तीन मई को पॉजिटिव पाए गए थे। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच लक्ष्मीपति बालाजी भी संक्रमित पाए गए हैं।

याचिका पर आज होगी सुनवाई

याचिका दायर होने के कुछ देर बाद ही बीसीसीआई ने आईपीएल को टाल दिया था, लेकिन इसके बावजूद वकील वंदना शाह का कहना है कि, आईपीएल के टलने के बाद भी वह कोर्ट से बीसीसीआई पर एक हजार करोड़ रुपए का हर्जाना और बिना शर्त माफी मांगने की मांग करेंगी। बता दें कि, इस याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट में आज सुनवाई होगी।

न्यूज ब्रीफ

न वैक्सीन न रोजगार, बिलकुल फेल मोदी सरकार- राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और केरल के वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने देश में कोरोना वायरस संक्रमण की गंभीर स्थिति को लेकर बुधवार को एक बार फ्रि सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि, लोगों को टीका और रोजगार उपलब्ध कराने में मोदी सरकार नाकाम रही है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि, न वैक्सीन, न रोजगार, जनता झेले कोरोना की मार, बिलकुल फेल मोदी सरकार! राहुल गांधी कोरोना संकट को लेकर लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि, अब देश में संक्रमण जिस स्तर तक पहुंच गया है, ऐसी हालत में सिर्फ लॉकडाउन ही एकमात्र रास्ता है। सोमवार को भी कर्नाटक के जिला अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी की वजह से 24 मरीजों के मारे जाने को राहुल गांधी ने हत्या करार दिया था।

ऑक्सीजन के गंभीर संकट के बीच मदद को आया आईआईटी, बनाएगा ओ2 कंसंट्रेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर ने देश के उद्यमियों और एमएसएमई सेक्टर को उत्तम गुणवत्ता के ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के निमार्ण में मदद की पेशकश की है। संस्थान के स्टार्ट अप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेल के बोर्ड मेंबर और स्टार्ट अप 'फर्स्ट' के निदेशक श्रीकांत शास्त्री ने बुधवार को बताया कि, कोरोना की घातक दूसरी लहर के बीच आज देश के सामने ऑक्सीजन का गंभीर संकट है। आज 'मिशन भारत ओ2' की घोषणा हुई है जिसके तहत संस्थान देश के एमएसएमई और निमार्ण क्षेत्र के उद्यमियों को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के निमार्ण में मदद के लिए आमंत्रित कर रहा है। उन्होने कहा, ऊहम चाहते है कि वह हमारे साथ आकर काम करे। संस्थान उनको हर तरह की सुविधा देंगे। कच्चा माल, फंडिग, मार्केटिंग, मैंटोरिंग की सुविधा उनका स्टार्ट अप उपलब्ध कराएगा, हम चाहते है कि सब मिलकर जून के महीने तक 20 से 30 हजार आक्सीजन कंसंट्रेटर का निर्माण कर लें, ताकि देश में महामारी के कारण जा रही बहुत सारी जाने बचाई जा सके।

इंसानों से जानवरों में फैला कोरोना, 8 शेर पाए गए संक्रमित

हैदराबाद, एजेंसी। वर्तमान में देश में हर दिन 3 लाख से ज्यादा लोग कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। कोरोना बहुत तेजी से लोगों के बीच फैल रहा है। देश में यह कोरोना की दूसरी लहर है। देश में अभी तक कोरोना वायरस संक्रमण के लोगों से लोगों में फैलने की खबरें थीं, लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है कि, लोगों से कोरोना वायरस संक्रमण जानवरों में फैल गया है। हैदराबाद के नेहरू जूलोजिकल पार्क के लॉयन सफारी के 8 एशियाई शेरों में कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण पाए गए थे, उन्हें सांस लेने की तकलीफ हो रही थी। 24 अप्रैल को जूलोजिकल पार्क द्वारा सीसीएमबी को इसकी जानकारी दी गई, जिसके बाद चिड़ियाघर के अधिकारियों की मदद से सीसीएमबी ने शेरों को अनेस्थेसिया देकर उनके नाक, गले और सांस की नली से सैंपल लिया। कोरोना वायरस संक्रमण की जांच हेतु लिए गए सैंपल की 4 मई को रिपोर्ट आई। टेस्ट रिपोर्ट में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है, सभी आठों शेरों को कोरोना पॉजिटिव पाए गए। हालांकि, इनके शरीर में कोरोना वायरस संक्रमण का पुराना वैरिएंट पाया गया है। सीसीएमबी और जूलोजिकल पार्क के अधिकारियों ने प्रेस नोट जारी कर यह जानकारी दी है। संक्रमित शेरों को आइसोलेशन में रखा गया है, अभी उनका स्वास्थ्य स्थिर है। वह सामान्य व्यवहार कर रहे हैं। फ्लिहाल, चिड़ियाघर को बंद कर दिया गया है।

मौत के आंकड़े छिपाकर लाशों की राजनीति कर रही भाजपा सरकार-कमलनाथ

इंदौर। पूर्व मुख्यमंत्री और पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। इंदौर पहुंचे कमलनाथ ने कहा कि, आज इंदौर का सबसे बड़ा अस्पताल एमवाय बंद पड़ा है, यहां की चिंता किसी को नहीं है। नाथ ने कहा कि, कितनी वैक्सीन रोजाना लग रही हैं, इसके आंकड़े सरकार क्यों नहीं जारी कर रही है, वैक्सीन है नहीं बस घोषणा कर दी और केंद्र ने 18 साल के युवाओं को वैक्सीनेशन देने को इसलिए मंजूरी दे दी क्योंकि चुनाव चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि, प्रदेश में कोरोना से हो रही मौत के लिए भाजपा की सरकार जिम्मेदार है, वह लाशों के ढेर पर राजनीति कर रही है। कमलनाथ सीधे बीजेपी नेताओं पर कालाबाजारी का आरोप लगाया है। कमलनाथ ने कहा कि, बीजेपी विधायक रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाज़ारी कर रहे हैं, कोरोना से बचाने वाले इंजेक्शन भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में बांटे जा रहे हैं और इसे व्यापार बना लिया है। मीडिया से यह बात छिपी नहीं हैं, लेकिन विदेशी मीडिया इसे दिखा रहा है। प्रदेश में हो रही मौतों को छुपाने का काम बीजेपी सरकार कर रही है।

यूजी और पीजी के विद्यार्थी अब घर बैठे देंगे परीक्षा

भोपाल। प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामलों को देखते हुए मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने भी एक बड़ा फैसला लिया है। उच्च शिक्षा विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि, अब प्रदेश के विश्वविद्यालयों में होने वाली स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष और स्नातकोत्तर द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं विद्यार्थी अपने घर बैठकर दे सकेंगे। जुलाई में परीक्षा, अगस्त में परिणाम उच्च विभाग ने फैसला लिया है कि, छात्र-छात्रओं की परीक्षाएं जुलाई माह में ली जाएगी, इसके साथ ही अगस्त में परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

नहीं होगी परेशानी

दरअसल, पिछले कई दिनों से यूजी और पीजी के विद्यार्थी असमंजस की स्थिति में थे, यह समझ नहीं आ रहा था कि, पेपर किस माध्यम से होंगे। लेकिन अब उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थी को घर बैठकर ही परीक्षा की इजाजत दे दी है। अब प्रदेश के किसी भी विद्यार्थी को कॉलेज जाकर परीक्षा नहीं देना होगा। पूरे प्रदेश में ओपन बुक पद्धति से सभी परीक्षाएं आयोजित कराई जाएगी।

ममता दीदी ने तीसरी बार ली बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण करने पर तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बेनर्जी को बधाई दी। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के बीच राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में ममता बेनर्जी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके तत्काल बाद पीएम मोदी ने ट्वीट कर उन्हें बधाई दी।

शपथ लेने के बाद ममता बेनर्जी ने कहा कि, उनकी पहली प्राथमिकता कोविड-19 की स्थिति से निपटना होगी। मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने शपथ लेने के तुरंद बाद सभी राजनेतिक दलों से शांति सुनिश्चित करने की अपील की। शपथ ग्रहण समारोह में ममता के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी, आई-पीएसी प्रमुख प्रशांत किशोर, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष विमान बेनर्जी, फ्रिहाद हकीम, अभिनेता से सांसद बने देव, प्रदेश के मुख्य सचिव अल्फ्रन बंदोपाध्याय, पुलिस महानिदेशक और अन्य गणमान्य हस्तियां मौजूद थीं। समारोह में विपक्ष का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के साथ ही प्रदीप भट्टाचार्य को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रण-पत्र भी भेजा गया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। ममता के शपथग्रहण समारोह में राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता राज्य में चुनाव के बाद हो रही हिंसा को समाप्त करना है।

महामारी में चुनाव नहीं लोगों की जान बचाना जरूरी

माही की गूंज झाबुआ, संजय भटेवरा

मद्रास हाई कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग पर की गई तल्ख टिप्पणी के पश्चात अब यह जरूरी हो गया है कि, चुनाव आयोग के कार्यों की समीक्षा की जाना चाहिए। निःसंदेह हमारे संविधान में चुनाव आयोग से यह अपेक्षा की गई थी कि, वे स्वस्थ्य लोकतंत्र के लिए देश में निर्भीक व निष्पक्ष चुनाव का संचालन करें और अब तक चुनाव आयोग ने अपनी इस भूमिका का पूरी ईमानदारी से पालन भी किया है। लेकिन गत वर्ष कोरोना महामारी के पश्चात आयोग की भूमिका चुनौतीपूर्ण हो गई है, निश्चित रूप से आज देश में चुनाव से ज्यादा जरूरी लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करना है। पांच राज्यों के हालिया चुनाव में आयोग के कार्यों को भी कोर्ट की फ्टकार लगाना इस बात का संकेत है कि, आयोग लोगों की जान की परवाह किए बिना चुनाव की ज्यादा चिंता करता नजर आया। नतीजा महामारी की इस दूसरी लहर ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया है, स्थिति यहां तक बन गई है कि, श्मशान में शवों को भी लाइन में लगाना पड़ रहा है। बेहतर यही होता कि सरकार व आयोग चुनाव से पहले आपदा प्रबंधन की योजना बनाते, अगर चुनाव 6 महीने टाल भी दिए जाते तो भी कोई बहुत बड़ी आफ्त नहीं आ जाती।

उपचुनाव की समीक्षा आवश्यक

भारतीय संविधान में विशेष परिस्थितियों में उपचुनाव का प्रावधान किया गया था, लेकिन कुछ लोगों की अति महत्वकांक्षा ने इसे अपना हथियार बना लिया है और दल बदलू नेताओं के लिए यह ''अंधेरे कमरे में जलती रोशनी'' साबित हो रहा है। अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए नेता इस्तीफ्र देते है पूरे प्रशासन को जन हितेषी मुद्दों से मोड़ कर चुनावी समर में धकेल देते हैं। ये ही नहीं जो पैसा जनता के विकास कार्य में लगना चाहिए वह चुनावी प्रचार व व्यवस्था में खप जाता है। अब समय आ गया है कि, चुनाव आयोग इनकी समीक्षा करें, आम जनता की जान को किसी के व्यक्तिगत स्वार्थ पूर्ति के लिए जोखिम में डालना कहां तक उचित है? आम जनता भी बार-बार होने वाले चुनावों से ऊब चुकी है और जनता भी अब इसमें परिवर्तन चाहती है। बेहतर यही हो कि चुनाव आयोग स्वेच्छा से इस्तीफ्र देने वाले सांसद या विधायक से

उपचुनाव का पूरा खर्च वसूले या स्वेच्छा से इस्तीफ्र देने वाले के निकटतम प्रतिद्वंदी को शेष कार्यकाल के लिए मनोनीत घोषित कर दिया जाए। संविधान में उपचुनाव की व्यवस्था विशेष परिस्थितियों (किसी का निधन) होने पर की गई थी अगर ऐसी स्थिति निर्मित हो तो उपचुनाव साधारण रूप से स्थानीय नेताओं द्वारा ही लड़ा जाना चाहिए न कि पूरी सरकार को चुनाव में लगना चाहिए।

एक देश एक चुनाव पर हो सार्थक चिंतन

अब समय आ गया है कि, देश एक चुनाव के मुद्दे पर सार्थक व गंभीरता से चुनाव के लिए सभी दल चिंतन करें क्योंकि आम जनता में अब नेताओं की छवी लगातार गिरती जा रही है और बार-बार होने वाले चुनाव इसमें आग में घी डालने का काम कर रहे है, सभी दल इस बारे में गंभीरता से चिंतन करें और 5 वर्ष में केवल एक बार चुनावी समर में उत्तरे व अपनी योजनाओं को जनता के सामने रखें, अगर सत्ता मिले तो ठीक वरना जो भी सरकार बनाएं उसका रचनात्मक सहयोग करें। कुछ ऐसी ही कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने भी की थी। लेकिन व्यक्तिगत स्वार्थ देशहित पर भारी हो गया और चुनाव में इतनी विकृति आ गई है आज चुनाव वैचारिक मतभेद नहीं मनभेद के कारण बन चुके हैं। पश्चिम बंगाल में चुनाव के पश्चात हो रही हिंसा इसका जीता जागता उदाहरण है।

सरकार की भूमिका भी तय हो

वर्तमान महामारी ने देश की जड़ें हिला दी है चारों और मौत का तांडव मचा है सरकार की व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है, अब समय आ गया है कि सरकार अपनी जिम्मेदारी तय करें, आम जनता को सरकार से बेहतर शिक्षा व बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद रहती है और यह आम जनता का अधिकार भी है। आज ऑक्सीजन व जीवन रक्षक दवाइयों की कमी से भी कई लोग काल के ग्रास में समा रहे हैं, जिसमें सरकार अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकती है। सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि इस महामारी में अगर धन की कमी आ रही है तो अन्य योजनाओं में कटौती कर इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर तय करें, लोगों की जान से बढ़कर कुछ भी नहीं हो सकता है।

पूरा देश कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सहभागी बने

अब समय आ गया है कि, हम सारे राजनीतिक मतभेद भुलाकर कोरोना के खिलाफनिर्णायक लड़ाई छेड़ दे और इस लड़ाई में देश का प्रत्येक नागरिक सहभागी बने। नेता अपनी राजनीतिक विचारधारा छोड़कर सरकार का साथ दे व आम जनता, सरकार के दिशा निर्देशों का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करें, तभी हम इस महामारी पर महा विजय प्राप्त कर सकते हैं। आज पूरे देश में जिस प्रकार इस महामारी ने कोहराम मचाया है उससे दोगुने जोश के साथ इसका मुकाबला करने के लिए देश का प्रत्येक व्यक्ति खड़ा रहे, तभी इससे मुकाबला किया जा सकता है। प्रत्येक व्यक्ति मास्क लगाएं, 2 गज की दूरी रखें, हाथों को सेनीटाइज करते रहे और वैक्सीन अवश्य लगाएं।

''जीतेगा भारत हारेगा कोरोना''

ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण की भयावह स्थिति

कमल नाथ की मांग, सरकार तत्काल उठाए आवश्यक कदम

भोपाल

मौत के वास्तविक आंकड़ों को छिपाने की बजाय सरकार सच्चाई को स्वीकार कर वास्तविक आंकड़े जारी करे, इससे प्रदेश की जनता को वास्तविक स्थिति का पता चल सकेगा और वो इस महामारी की भयावह स्थिति को समझ सकेगी। पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने कहा कि इस कोरोना महामारी ने मप्र के सभी 52 जिलों को अपनी चपेट में ले लिया है। प्रदेश का ऐसा कोई हिस्सा नहीं है, जो इस कोरोना संक्रमण से अछूता हो। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अब बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र भी इसकी चपेट में आते जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति बेहद भयावह होती जा रही है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। डॉक्टर्स की कमी है। जागरूकता का अभाव है। साथ ही संसाधनों का भी अभाव है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने कहा कि जब शहरी क्षेत्रों में ही आज लोगों को बेहतर इलाज, बेड, अस्पताल, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, जीवन रक्षक दवाइयों व इंजेक्शन नहीं मिल पा रहे हैं तो ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति खुद समझी जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में टेस्टिंग व जांच के अभाव में भी स्थिति भयावह होती जा रही है। टेस्टिंग, जांच की कमी व लोगों में जागरूकता की कमी से ग्रामीण क्षेत्रों में

संक्रमण के आंकड़े बड़ी संख्या में बढ़ते जा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी मुक्तिधाम व कब्रिस्तान शवों से भरे पड़े हुए है। संचार माध्यमों के अभाव के कारण ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक तस्वीर व स्थिति सामने नहीं आ पा रही है। सरकार को तत्काल आवश्यक कदम उठाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष ध्यान देना चाहिए। कमल नाथ का कहना है कि वहां टेस्टिंग व जांच का दायरा बढ़ाना चाहिए। स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। प्रतिबंधों को बढ़ाना चाहिए। पर्याप्त कोविड सेंटर खोलना चाहिए। जागरूकता के अभियान चलाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में टेस्टिंग व इलाज के अभाव में बड़ी संख्या में लोग दम तोड़ रहे हैं। कमल नाथ ने कहा कि दूसरी तरफ शिवराज सरकार अपनी असफलता उजागर नहीं हो, इसलिए कोरोना से हो रही मौतों के आंकड़ों को निरंतर दबाने का व छिपाने का काम कर रही है, जबकि वास्तविक आंकड़ों की सच्चाई प्रतिदिन मुक्तिधाम व कब्रिस्तान में आ रहे शवों के माध्यम से प्रतिदिन जनता के सामने आ रही है। सरकार को कोरोना से हो रही मौतों के आंकड़ों को छिपाने की बजाय वास्तविक तस्वीर प्रदेश की जनता के सामने लाना चाहिए। सरकार मौतों के वास्तविक आंकड़ों को छिपाकर झूठे रिकवरी रेट व पॉजिटिव रेट के आंकड़े परोसकर प्रदेश की जनता को गुमराह करने में लगी हुई है। सरकार को डर है कि मौत के वास्तविक आंकड़े सामने आने से उसकी असफलता की पोल खुल जाएगी, लेकिन सरकार को अब यह समझ लेना चाहिए कि प्रदेश की जनता इस सच्चाई को भलीभांति जान व समझ चुकी है कि वर्तमान में जितनी भी मौतें हो रही हैं। वे कोरोना संक्रमण के साथ-साथ, भाजपा सरकार की असफलता, नाकारापन, अस्पतालों में इलाज, बेड, ऑक्सीजन, जीवन रक्षक दवाइयां नहीं मिलने के कारण हो रही हैं।

सरकार ने नहीं की तैयारियांः कमल नाथ

कोरोना संक्रमण बढ़ने की दोषी शिवराज सरकार है, जिसने एक वर्ष मिलने के बाद भी कोरोना की दूसरी लहर को लेकर कोई तैयारी प्रदेश में नहीं की और न अस्पताल बढ़ाने की, न बेड बढ़ाने की, न ऑक्सीजन की आपूर्ति व उत्पादन बढ़ाने की, न जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की और न स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने की। शिवराज सरकार को अब अपनी सरकार के प्रचार-प्रसार, छवि चमकाने और अपनी असफलता को दबाने की बजाय, वास्तविक सच्चाई को जनता के सामने लाना चाहिए। वास्तविक आंकड़े सामने लाना चाहिए, जिससे जनता अतिरिक्त सावधानी बरत सके, जिससे भविष्य में होने वाली जनहानि को रोका जा सके।

मंत्री सिलावट के नाम पर डॉक्टर को धमकाने का ऑडियो वायरल, मंत्री ने दी सफाई

इंदौर

शहर में लगातार कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ते जा रहा है। एक ओर डॉक्टर्स कोरोना से पीड़ित मरीजों का इलाज करने में जुटे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक रसूख रखने वाले डॉक्टरों को धमका रहे हैं। मंत्री सिलावट का नाम लेकर एक बीजेपी नेता ने सुविधा नहीं देने पर डॉक्टर श्रीवास्तव को फोन पर धमकी दी। नेता ने धमकाते हुए कहा कि कोरोना तो दो दिन का है बाकी दिन आपका अस्पताल यहीं रहेगा।दरअसल इंदौर के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट के नाम लेकर एक बीजेपी नेता ने डॉक्टर श्रीवास्तव से फोन लगाकर आईसीयू बेड की मांग की। डॉक्टर ने आईसीयू बेड नहीं होने के कारण

नेता को बेड के लिए मना कर दिया। डॉक्टर के मना करने पर गुस्साए नेता ने डॉक्टर को धमकी देते हुए कहा कि मैं मंत्री का प्रतिनिधि पप्पू शर्मा बोल रहा हूं, ये कोरोना तो 20 या 25 दिन रहेगा उसके बाद आपका अस्पताल और आप यहीं रहोगे। मंत्री का धमकी देते हुए ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ऑडियो वायरल होने के बाद मंत्री तुलसी सिलावट ने बचाव करते हुए कहा कि कार्यकर्ता परिजन के बिमार होने पर आक्रोश में है। हालांकि मंत्री ने मामले में जांच की बात कही है।जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कोरोना पॉजिटिव मरीज मिल रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना वायरस की रोकथाम को लेकर प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने प्रशासनिक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी के साथ बैठक की। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में वैक्सीनेशन और कोविड सेंटर खोले जाने पर चर्चा की गई। इस दौरान तुलसी सिलावट ने कहा कि कोरोना की रोकथाम को लेकर प्रशासन लगातार काम कर रहा है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना वायरस को कैसे रोका जाए इस पर लगातार काम किया जा रहा है। ऑक्सीजन की पूर्ति को लेकर मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लगातार अस्पताल प्रबंधन से चर्चा कर उनसे ऑक्सीजन प्लांट लगाने की अपील कर रही है। राज्य सरकार ऑक्सीजन प्लांट लगाने वाले अस्पतालों को 50 प्रतिशत छूट भी देगी। जिससे भविष्य में ऑक्सीजन की कमी न हो।

मैहर विधायक त्रिपाठी की अपनी ही सरकार को नसीहत

लोग इलाज के अभाव में मर रहे हैं तो राज्य का नाश हो जाएगा

भोपाल

पृथक विंध्य की आवाज बुलंद कर अपनी ही सरकार की परेशानी बढ़ाने वाले मैहर से भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी ने कोरोना काल में लोगों को हो रही परेशानी और निजी अस्पतालों को लेकर प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में विधायक त्रिपाठी ने रामायण के एक दोहे के सहारे सरकार को नसीहत देते हुए कहा है कि यदि मंत्री और राजा प्रजा की रक्षा नहीं करेंगे तो राज्य का नाश हो जाएगा। लोग इलाज के अभाव में मर रहे हैं। सरकार को लोगों की चिंता करते हुए कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

बार-बार सरकार से जुड़ी व्यवस्थाओं पर खुलकर प्रहार करने वाले मैहर से भाजपा विधायक त्रिपाठी इस बार मुख्यमंत्री को लिखे पत्र के कारण सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान निजी अस्पतालों की लूट का मामला उठाया है। विधायक के इस पत्र से बवाल मच सकता है नारायण त्रिपाठी ने सीएम को लिखे पत्र में राम चरित मानस के सुन्दरकाण्ड अध्याय के 37 वें दोहे का जिक्र किया है। जिसमे लिखा है कि सचिव बैद गुर तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस..राज धर्म तन तीनि कर होइ बेगिहीं नास दोहे के दोहे का अर्थ रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने बताया हैं कि मंत्री, वैद्य और गुरु ये तीन यदि भय या लाभ की आशा से (हित की बात न कहकर) प्रिय बोलते हैं तो क्रमशः राज्य, शरीर एवं धर्म इन तीन का शीघ्र ही नाश हो जाता है। यह दोहा रावण, विभीषण संवाद से जुड़ा है मसलन अगर मंत्री और सरकार, राज्य की प्रजा को नहीं देखेगा तो राज्य का नाश हो जाएगा, वहीं वैद्य का काम शरीर को स्वास्थ्य रखना है और गुरु का काम धर्म की रक्षा करना है। अगर ये तीनों अपने कार्य से विमुख हुए तो सबका नाश होना तय है इस पत्र ने फिर से त्रिपाठी की नाराजगी को उजागर कर दिया है।

सरकार के नियंत्रण में हो निजी अस्पताल

इससे बचने का सही तरीका यह होगा कि निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों का बिल भुगतान सरकारी दर से होना चाहिए, जिससे गरीब और कमजोर वर्ग को महामारी में राहत मिलेगी, साथ ही अस्पताल में मची लूट पर लगाम लग जाएगी, साथ ही आप कोरोना मरीजों के हित में यह निर्णय अवश्य लेंगे कि इस महामारी के दौर में सबका इलाज निःशुल्क होगा वहीं निजी एंबुलेंस के मनमाने किराये पर रोक लगाई जाए, इसके पहले भी विधायक ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर कोरोना के बिगड़े हालातों की याद दिलाई थी। उन्होंने कहा था कि वर्चुअल मीटिंग के तमाशे से कुछ नहीं होने वाला है प्रदेश के अस्पतालों के हाल-बेहाल हैं कोरोना महामारी के पहले ?नारायण त्रिपाठी विंध्य प्रदेश की मांग करते हुए आंदोलन की मुहिम छेड़ रखी थी जिससे आए दिन वे सरकार के कटघरे में खड़ा करने का काम किया करते थे इस मामले में भी नारायण त्रिपाठी ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया।

निजी अस्पताल कर रहे लूट, गरीब मरने को मजबूर

विधायक नारायण त्रिपाठी ने पत्र के माध्यम से कहा कि वे मेरी चिट्ठी, मांग या सुझाव को हमेशा बगावत ही क्यों समझ लिया जाता है मैं तो अपनी बात रखता हूं. इसके बाद दोहे के रूप में एक संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कोरोना महामारी का ?इलाज निजी अस्पतालों में महंगा है। ऐसे में लोग मजबूरन घर में या आसपास के अस्पतालों में ही स्वतः आत्महत्या करने को मजबूर है, वे जान रहे है कि महंगे इलाज के आभाव में हमारी मृत्यु हो जाएगी। सरकारी अस्पतालों में बेड खाली नहीं है रोज हम लोग अपनों को खो रहे है सक्षम लोग निजी अस्पतालों में भर्ती होकर इलाज करा रहे है क्योंकि उनका बिल लाखों रुपए में होता है, शासन द्वारा निर्धारित दरों का कोविड के इलाज में कहीं पालन नहीं हो रहा है। ऐसे में निजी अस्पताल निर्धारित राशि से पांच से छह गुना ज्यादा पैसे वसूल रहे है फिर भी कोई रोक टोक करने वाला नहीं है।आपदा के समय पर हर घर से कोई न कोई बीमार है कई घरों में तो पूरा परिवार बीमार है ऐसे में इलाज करा पाना सामान्य परिवार के लिए कतई लाभकारी नहीं हो सकता है जो असक्षम और गरीब है वह या तो घर में या फिर सरकारी अस्पताल में दम तोड़ने को मजबूर है आप अत्यंत संवेदनशील मुख्यमंत्री है प्रदेशवासियों के प्राण की रक्षा हेतु बेहतर प्रयास करना आपकी जिम्मेदारी है इसलिए निवेदन है कि कोविड मरीज अस्पतालों में भयंकर लूट का शिकार हो रहे है कई मरीजों से तो इलाज के नाम पर पांच लाख से 10 लाख तक वसूली हो चुकी है।

कोविड सेंटर की अव्यवस्थाओं पर उठाए थे सवाल

प्रभारी मंत्री का ऑडियो वायरल करने वालों पर एफआईआर

भोपाल

सागर जिले के प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव से बातचीत का ऑडियो वायरल करना युवकों को महंगा पड़ा है। युवक ने प्रभारी मंत्री को फोन लगाकर बंडा के कोविड केयर सेंटर की अव्यवस्थाओं पर सवाल उठाए थे। वायरल वीडियो को एक अन्य युवक ने फेसबुक पेज पर पोस्ट किया था। इसके चलते दोनों युवकों पर कोविड गाइड लाइन के तहत धारा 188 में प्रकरण दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार सागर जिले की बंडा विधानसभा के कोविड-19 केयर सेंटर में अव्यवस्थाओं को लेकर बंडा के युवक दयाराम यादव ने जिले के प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव को फोन लगाया था। दयाराम यादव ने प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव को बंडा के कोविड-19 केयर सेंटर की अव्यवस्थाओं के बारे में अवगत कराया तो प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव बंडा में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट देने और अपनी ही पार्टी के सांसद केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल पर सवाल खड़े करने लगे। फोन पर जब युवक ने उन्हें अवगत कराया कि बंडा के कोविड-19 केयर सेंटर में ना ऑक्सीजन हैं और ना ही ऑक्सीजन हैं, तो प्रभारी मंत्री ने कहा कि विधायक क्या कर रहे हैं? फोन करने वाले युवक ने कहा कि विधायक तो उद्घाटन करके चले गए हैं, वह फोन तक नहीं उठा रहे हैं, तो प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव बंडा की जनता द्वारा कांग्रेस को जिताने पर सवाल खड़े करने लगे उन्होंने युवक से यह भी पूछा कि सांसद क्या कर रहे हैं? बंडा विधानसभा क्षेत्र दमोह संसदीय क्षेत्र में आता है और यहां के सांसद केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल हैं। गोपाल भार्गव बातचीत में यह कहते हुए नजर आए कि सांसद तो केंद्रीय मंत्री हैं वह चाहे तो ऑक्सीजन की पूरी ट्रेन भेज सकते हैं।

ऑडियो हुआ वायरल दो मंत्री ने दी सफाई

बंडा के युवक दयाराम यादव और प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव के बीच हुई बातचीत का ऑडियो वायरल हो गया। ऑडियो वायरल होने के बाद प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव ने सफाई दी और कहा कि बातचीत को एडिट करके वायरल किया जा रहा है। उन्होंने सागर जिले और अपने विधानसभा क्षेत्र में कोरोना पर काबू पाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी बात रखी।

ऑडियो वायरल मामले में दो युवकों पर मामला दर्ज

प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव का ऑडियो वायरल होने के बाद सागर के अधिवक्ता सौरभ देव पांडे द्वारा सागर के सिविल लाइन थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है। इस शिकायत के आधार पर सिविल लाइन थाना में ऑडियो वायरल करने वाले युवक दयाराम यादव और एक फेसबुक पेज के एडमिन शुभम श्रीवास्तव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में कोविड-19 गाइड लाइन के अनुसार धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पंचायत चुनाव

आगरा में शिक्षित युवाओं के हाथ गांवों की कमान, 24 साल की बिटिया भी बनी प्रधान

आगरा

आगरा जिले में पंचायत चुनाव के परिणामों में नई पौध ने अपनी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज कराई है। सैंया के पुसैंता में 24 साल की नीलम, फतेहाबाद के रूपपुर में 26 साल की अनु, पिनाहट के विप्रावली में 25 साल के देवानंद प्रधान निर्वाचित घोषित किए गए हैं। फतेहाबाद के जिला पंचायत वार्ड 43 से महज 23 साल की आरती वर्मा चुनी गई हैं। सूची में और भी कई नाम हैं। पंचायत चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष है।

बाबा से प्रेरणा मिली नीलम को

विकास खंड सैंया की ग्राम पंचायत पुसैंता से 24 वर्षीय और बीकॉम कर चुकी नीलम पुत्री राकेश त्यागी प्रधान चुनी गई है। प्रधान बनने से गदगद नीलम ने बताया कि पूर्व में उनके बाबा गांव के प्रधान रहे थे, लेकिन उन्होंने उनको प्रधान देखा नहीं था। उनकी ही प्रेरणा से इस बार चुनाव लड़ने का मन बनाया। ताकि वह गांव की समस्याओं को दूर कर सकें। नीलम की अभी शादी नहीं हुई है। उनके पिता राकेश त्यागी अधिवक्ता हैं। बताया कि 236 मत पाकर उन्हें यह जीत हासिल हुई है।

खेल का मैदान बनवाएंगी अनु

फतेहाबाद की ग्राम पंचायत रूपपुर में 26 वर्षीय अनु प्रधान निर्वाचित हुई हैं। एमए तक पढ़ी अनु ने बताया कि पहली बार चुनाव मैदान में उतरी थीं और गांव की जनता ने उन्हें अपना समर्थन दिया। बताया कि खड़ंजा, नाली, आवास के अतिरिक्त ऐसी व्यवस्थाओं को अमल में लाने का प्रयास करेंगी, जिससे गांव का समग्र विकास हो सके। गांव में बच्चों के लिए खेलकूद का मैदान बनवाना और महिलाओं के स्वरोजगार से संबंधित कार्य करना उनकी प्राथमिकता है।

सबसे बड़ी ग्राम पंचायत के प्रधान

पिनाहट ब्लॉक की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत विप्रावली के प्रधान क्षेत्र के सबसे कम उम्र के देवानंद परिहार (25 वर्ष) चुने गए हैं। पढ़ुआपुरा के रहने वाले और एमए राजनीति शास्त्र से शिक्षित देवानंद ने बताया कि इससे पूर्व में भी प्रधानी का चुनाव लड़े थे। किंतु हार गए थे। इसके बाद भी उन्होंने गांव के लोगों से संपर्क साधे रखा। जिसका परिणाम रहा कि लोगों ने उन पर भरोसा किया।

सबसे कम उम्र की जिला पंचायत सदस्य

महज 23 साल की उम्र और बीएससी तक पढ़ी आरती वर्मा फतेहाबाद क्षेत्र के जिला पंचायत वार्ड संख्या 43 से जिला पंचायत सदस्य चुनी गई हैं। संभवतः सबसे कम उम्र की जिला पंचायत सदस्य आरती ने कहा कि वे क्षेत्र के गांवों के विकास के लिए संकल्पित हैं। बताया कि गांवों में अब भी संपर्क मार्ग की समस्या है। इसे ही दूर करना उनकी प्राथमिकता है। आरती वर्मा बसपा समर्थित उम्मीदवार हैं। इन्होंने भाजपा तथा समाजवादी पार्टी के समर्थित प्रत्याशियों को पराजित कर जीत हासिल की है।

रणनीति : बिहार-उत्तराखंड की तर्ज पर बदलाव का सिलसिला तेज करेगी भाजपा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से सकते में आई भाजपा आने वाले समय में बिहार और उत्तराखंड की तरह बदलाव का सिलसिला तेज करेगी। दरअसल अन्य राज्यों की तरह बंगाल में भी पार्टी लोकसभा में हासिल वोट की बराबरी नहीं कर पाई। पार्टी मानती है कि इसके पीछे सबसे बड़ा कारण मजबूत चेहरे का अभाव है।पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के नतीजे आने के बाद मंथन का सिलसिला शुरू हुआ था। इसी कारण बिहार में परिणाम आने के बाद नेतृत्व ने सुशील मोदी, नंदकिशोर यादव सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं पर नए चेहरों को तरजीह दी। उत्तराखंड में नेतृत्व परिवर्तन किया गया। अब आने वाले समय में चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर अन्य सभी राज्यों की स्थिति की समीक्षा कर उचित निर्णय लिया जाएगा।दरअसल, बीते सात साल में भाजपा लोकसभा का दो चुनाव लड़ी। इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में असम और त्रिपुरा को छोड़ कर पार्टी कहीं भी लोकसभा चुनाव का प्रदर्शन नहीं दोहरा पाई। खासतौर सत्ता वाले राज्यों में लोकसभा के मुकाबले विधानसभा चुनाव में वोटों में ज्यादा गिरावट देखी गई।बीते साल झारखंड में पार्टी के वोटों में 19 फीसदी का तो हरियाणा में 17 फीसदी का नुकसान हुआ। इसके अलावा छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, गुजरात और कर्नाटक में क्रमशः 10, 17, 13, 9, 5, 14, 10 और सात फीसदी मतों का नुकसान हुआ।

चेहरा अहम समस्या : पार्टी ने इस साल के शुरू में हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र के नतीजे की समीक्षा की थी। सूत्रों के मुताबिक आकलन यह था कि सत्तारूढ़ राज्यों में सरकार के मुखिया लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर रहे। मसलन झारखंड में खुद अपना चुनाव हारने वाले सीएम रघुवर दास के खिलाफ भयानक नाराजगी भारी पड़ी हरियाणा में सीएम खट्टर उम्मीदों पर खरा नहीं उतरे। तब तय किया गया था कि बारी-बारी से सभी राज्यों की समीक्षा कर इस स्थिति में बदलाव के लिए जरूरी निर्णय लिए जाएं। हालांकि, बीच में कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण इस पर गंभीर चर्चा नहीं हुई।

बंगाल में भी मजबूत चेहरा नहीं था : बंगाल में भी मजबूत चेहरे के अभाव में पार्टी ममता बनर्जी के बंगाल अस्मिता के सियासी दांव की काट करने में असफल रही। क्योंकि राज्य में एक भी स्थानीय चेहरा ऐसा नहीं था जिस पर पार्टी अपना दांव लगा पाती। पार्टी साल 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव की तरह ही मोदी-शाह की जोड़ी पर आश्रित रह गई।

कांग्रेस ने मांगा जितेन्द्र सिंह का इस्तीफा

जम्मू। कांग्रेस ने केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग करते हुए उनके इस्तीफे की भी मांग की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य विक्रम रंधावा ने जितेन्द्र सिंह पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के सचिव रंधावा चूंकि स्टोन क्रशर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने खनन नीति को लेकर जम्मू में जितेन्द्र सिंह के कार्यालय पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं।कांग्रेस की युवा इकाई के अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के एक समूह ने कांग्रेस मुख्यालय के सामने एकत्र होकर केन्द्रीय मंत्री के इस्तीफे की मांग की।चिब ने पत्रकारों से कहा, ''रंधावा के सनसनीखेज खुलासे ने खनन माफिया और भाजपा की मिलीभगत का भंडाफोड़ कर दिया है। इन आरोपों को लेकर उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।'' इससे पहले कांग्रेस के पार्षद गौरव चोपड़ा ने कहा कि स्थानीय लोगों को लूटने के लिए सुनियोजित तरीके से खनन और शराब की दुकानों की नीलामी की जाती है।जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस समिति ने जितेन्द्र सिंह के इस्तीफे की मांग करते हुए एक वक्तव्य जारी कर कहा, '' शक्तिशाली लोगों के संरक्षण में चलाई जा रही ''हफ्ता संस्कृति'' की जांच होनी चाहिए। इस मामले में कानून को अपना काम करना चाहिए।''कांग्रेस ने कहा कि यह मामला केन्द्र की मोदी सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के लिए एक परीक्षा की घड़ी है, इसलिए जितेन्द्र सिंह को हटाकर एक स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए अन्यथा आम जनता का विश्वास प्रशासन से उठ जायेगा।

ममता बनर्जी की डिग्री कर देगी हैरान जानें कितनी पढ़ी-लिखी हैं फायरब्रांड

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी एक बार फिर सीएम पद की शपथ लेंगी। टीएमसी चीफ ममता बनर्जी, तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने जा रही हैं। बंगाल के सीएम के तौर पर तीसरी पारी खेलने के लिए तैयारी कर रही ममता बनर्जी को फायरब्रांड राजनेता भी कहा जाता है। उन्होंने 15 साल की उम्र में ही राजनीति में कदम रख दिया था।ममता बनर्जी एक बंगाली हिन्दू परिवार से ताल्लुक रखती हैं और इनका जन्म पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ था। मेडिकल सुविधाओं के अभाव में उन्होंने 17 साल की उम्र में ही अपने पिता प्रोमिलेश्वर बनर्जी को खो दिया।

सादगी पसंद ममता बनर्जी, एजुकेशन के मामले में देश के कई बडे राजनेताओं से काफी आगे हैं। उन्होंने साल 1970 में अपनी हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा देशबंधु शिशु शिक्षालय से पास की और उसके बाद जोगमाया देवी कॉलेज से इतिहास में बैचलर डिग्री हासिल की। इतना ही नहीं, मुस्लिम समुदाय पर सधी हुई राजनीति करने वाली ममता बनर्जी ने यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता से इस्लामिक इतिहास में मास्टर की डिग्री प्राप्त की है। इसके बाद श्री शिक्षायतन कॉलेज से शिक्षा की डिग्री और जोगेश चंद्र चौधरी लॉ कॉलेज, कोलकाता से कानून की डिग्री प्राप्त की।उन्होंने कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर से डॉक्टरेट की मानद उपाधि भी प्राप्त की। उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट ऑफ लिटरेचर (डी.लिट।) की उपाधि से भी सम्मानित किया गया है।बनर्जी राजनीति में तब शामिल हुई जब वह केवल 15 वर्ष की थीं। जोगमाया देवी कॉलेज में पढ़ते हुए, उन्होंने कांग्रेस (आई) पार्टी की छात्र शाखा, छात्र परिषद यूनियनों की स्थापना की, जिसने भारतीय समाजवादी एकता केंद्र (कम्युनिस्ट) से संबद्ध अखिल भारतीय लोकतांत्रिक छात्र संगठन को हरा दिया था। बता दें कि कोरोना संकट के कारण तीसरी बार सीएम बनने जा रही ममता बनर्जी के लिये बेहद सादगी से सीएम पद का शपथ समारोह आयोजित हो रहा है।

लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप हैं, लूज करेक्टर भी

माही की गूंज भामल, नारायण पालरा

गोतम राय

सुमन राय

अजय शर्मा

क्षेत्र ही नहीं पूरे जिले व आस-पास के क्षेत्र में कुकरमुते की तरह झोलाछाप डॉक्टर इलाज के नाम पर लोगों की जान से खिलवाड़ करते हैं। वही उनकी मासिक बंदी व संगठनात्मक रूप से प्रशासन व जनप्रतिनिधियों तक अपना तालमेल जमाकर खुलेआम उक्त फर्जी झोलाछाप डॉक्टर बेखौफ होकर अंचल में उपचार करके अपने व्यारे-न्यारे कर रहे हैं। इन पर परिस्थितियां कुछ भी हो या प्रशासन के कितने भी सख्त आदेश होने के बावजूद भी यह लोगों का इलाज कर उनकी जान से को खतरे में डालने में कोई चूक नहीं करते हैं। फिलहाल की स्थिति में कोरोना महामारी का दौर चल रहा है, जिसमें प्रशासन सख्त निर्देश दे रखे हैं कि, कोई भी बिना डिग्रीधारी झोलाछाप डॉक्टर उपचार करते पाए जाए तो उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। परंतु इसका असर झोलाछाप उर्फ फर्जी डॉक्टरों पर नहीं होता है और बेखौप होकर उपचार कर रहे हैं। जिसका उदाहरण ग्राम पंचायत भामल में देखा जा सकता है।

बता दें कि, स्थानीय भामल के निवासी भेरूसिंग चौहान के यहां पिछले 2 से 3 वर्षों से पाटन (राज.) से भागकर भामल आकर भेरूलाल चौहान के मकान व दुकान किराए से लेकर बिना डिग्री के अपने आगे डॉक्टर लगाने वाला अजय शर्मा आयुर्वेदिक उपचार के नाम पर एलोपैथिक उपचार कर रहा है। पिछले वर्ष लॉकडाउन के दौरान भी खवासा पुलिस ने शटर बन्द कर फर्जी डॉक्टर को मरीजों का इलाज करते हुए पकड़ा था। लेकिन मकान मालिक भेरूलाल चौहान आदि ने पुलिस से तालमेल जमाकर फर्जी डॉक्टर को बचा लिया।

कोयले की दलाली करने वाले के खुद के हुए काले हाथ

कहते हैं कि, कोयले की दलाली करने पर खुद के ही हाथ काले हो जाते हैं और यह सही भी साबित हुआ। पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी कोरोना की दूसरी लहर में भी पिछले दिनों कोरोना कर्फ्यू के दौरान कई मरीजों का इलाज झोलाछाप उर्फ लुज़ कैरक्टर डॉ. अजय शर्मा शटर बन्द करके कई मरीजों का इलाज अंदर कर रहा था। लेकिन थांदला एसडीओपी गवली के साथ स्थानीय पुलिस के क्षेत्र में भ्रमण के दौरान बड़ी मात्रा में शटर के आगे जूते-चप्पल देख पुलिस रुकी, इतनी मात्रा में दुकान उर्फ घर के आगे जूते चप्पल होने का कारण जानने हेतु पुलिस मकान मालिक भेरूलाल चौहान के घर के अंदर घुसी। मकान मालिक भेरूलाल चौहान ने पूर्व वर्ष की तरह इस वर्ष भी फर्जी उर्फ किराया डॉक्टर को बचाने का प्रयास करने पर कोयले की दलाली में काले हाथ होकर, भेरूलाल चौहान की दुकान में मामूली 51 रूपए मात्र की सामग्री विक्रय करने का मामला दर्ज हो गया।

जब गूंज प्रतिनिधि ने उक्त फर्जी डॉक्टर की हकीकत जानी तो जानकारी के अनुसार, उक्त अजय शर्मा भामल के पूर्व समीपस्थ पाटन जिला बांसवाड़ा (राज.) में रहकर फर्जी ईलाज कर रहा था कि, अपनी मनोवृति के साथ अपना फर्जी चिकित्सालय चलाने हेतु कुछ लोगों से अच्छे एवं घरेलू संबंध जोड़ने का ढकोसला किया। लेकिन उन्हीं संबंधों के साथ उक्त झोलाछाप डॉक्टर की कारस्तानी उस समय उजागर हुई जब उक्त फर्जी डॉक्टर ने जिस घर में अपने घरेलू संबंध होने का ढोंग रचा, उसी घर की एक कम समझी महिला को अपनी बातों में फंसाकर अपनी बदनीयत के साथ अपने वश में कर लिया था। जब मामला थोड़ा बहुत उजागर हुआ और महिला परिवार गांव को प्रतिष्ठित परिवार होने के कारण पूरे मामले को दबाने का प्रयास किया गया, लेकिन ग्राम के कुछ लोगों ने कैरेक्टर लूज डॉक्टर को सीधे शब्दों में कह दिया, अगर यहां रहा तो तेरी खेर नहीं। उसके बाद उक्त कैरेक्टर लूज़ डॉक्टर पाटन से उल्टे पांव भागकर आ गया और भामल में उक्त चौहान परिवार का मकान किराए से लेकर लोगों का फर्जी इलाज कर रहा था कि, पुलिस की दबिश में हर्जाना मकान मालिक को भुगतना पड़ा।

गौतम राय का परिवार भी निकला लूज कैरेक्टर

बांग्लादेश से आकर बिना किसी पूर्व प्रमाण के स्थानीय पंचायत से निवासी प्रमाण-पत्र बनाकर कुछ वर्षों से फर्जी उर्फ जोलाछाप डॉक्टर गौतम राय लोगो का ईलाज कर उनकी जान जोखिम में डालकर लाखों के व्यारे-न्यारे कर अपना निजी आशियाना भी बना लिया, वही अपनी बदनियती का असर पुत्र ने भी गृहण कर लिया। जानकारी के अनुसार उक्त फर्जी डॉक्टर गौतम ने भी नगर के सीधे-साधे परिवार के साथ आपसी संबंध जोड़ उनके घर की बेटी पर भी गलत नजर डालने की जानकारी भी उपरोक्त मामले के साथ जानकारी सामने आई। जानकारी अनुसार गौतम का पुत्र सुमन राय गांव की एक लड़की को अपने जाल में फंसाकर उसे वशीभूत कर दिया। मामला जब परिवार के सामने आया तो लोगों ने सीधे शब्दों में गौतम को कहा तो, गोतम यह भली-भांति जानता था कि, उसने अपने बेटे की करतूत को साफ नहीं किया तो भामल में रहकर फर्जी उपचार नहीं कर सकता था। जिसको देखते हुए लोगों को दिखाने के लिए उसने बेटे का विवाह कोलकाता की ओर करना बताया। परंतु बेटा अपनी बदनियती से बाज नहीं आ रहा था, जिसके चलते लोगों की डर से गौतम एवं परिवार वर्तमान में पश्चिम बंगाल में जा कर रहे हैं। वही भामल के बांग्लादेशी गौतम के मकान में कोई बाजना का आकर बांग्लादेशी व्यक्ति अंदर निवासरत है।

श्रीमती सोनी ने 2 हजार मेडिकल किट का किया सहयोग

माही की गूंज, थांदला

कोरना की दूसरी लहर में जहां संक्रमण तेजी से आमजन पर प्रहार करता जा रहा है। वही समाजसेवी व जनप्रतिनिधि भी समाज सेवा करने में लगे हैं। मेडिकल किट, ऑक्सीजन सिलेंडर, अस्पताल में बेड, सहायता राशि आदि किसी न किसी माध्यम से जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी आमजन को सहयोग करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी तारतम्य में एक नया नाम जुड़ा है, भाजपा प्रदेश मंत्री संगीता सोनी का। श्रीमति सोनी ने अंचल हेतू 2 हजार मेडिकल किट सांसद गुमान सिंह डामोर के माध्यम से स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराई है। स्थानीय जनपद पंचायत परिसर में आयोजित बैठक के दौरान किट प्रशासन की और से उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी ज्योति परस्ते एवं जनपद सीईओ आरसी हालु को सुपुर्द की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद गुमान सिंह डामोर ने कहा कि, आज से 15 दिन पहले की स्थिति व आज की स्थिति में बहुत सुधार आया है, कोरोना मामलों की संख्या कम हुई है, झाबुआ एकमात्र जिला है जहां पर ऑक्सीजन मोबाईल चलाया जा रहा है। झाबुआ जिले में डेथ रेट भी अन्य जिलों की तुलना में कम है, जिसका पूरा श्रेय कोविड उपचार कर रहे डॉक्टर एवं पूरी मेडिकल टीम को जाता है। साथ ही पूरा प्रशासनिक अमला जो कि, इस कोरोना कर्फ्यू का पालन करवाने में आमजन को सतर्क कर रहा है। भाजपा प्रदेश मंत्री संगीता सोनी ने मेडिकल किट उपलब्ध करवाई है जो सराहनीय कार्य है। नगरवासियों द्वारा लगातार स्थानीय सिविल हॉस्पिटल में डिजिटल एक्स-रे मशीन की मांग की जा रही है जिसे शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर बैठक की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास सोनी ने कहा कि, हम सभी को कोरोना वालंटियर बनकर अपने-अपने गली-मोहल्लों में जो भी व्यक्ति सर्दी, खांसी या किसी प्रकार के कोरोना सिंप्टोम्स से ग्रसित है, उस तक यह किट पहुंचाना है ताकि हमारा शहर, हमारा नगर व हमारा गांव कोरोना से मुक्त हो सके।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कर रही आमजन को कोरोना के प्रति जागरुक

माही की गूंज, झकनावदा

जनपद पंचायत पेटलावद जन अभियान परिषद के माध्यम से वालेंटियर गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर लोगों को सावधानी रखने की सलाह दे रहे है और दीवार पर लेखन के माध्यम से प्रचार कर रहे है। कोरोना महामारी की दूसरी लहर विकराल रूप ले चुकी है, कई लोग इस महामारी की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं और कई लोग इस महामारी से जंग लड़ रहे हैं। ऐसे कुछ लोग जो इस महामारी की चपेट में तो आए लेकिन उन्हें किसी भी प्रकार का कोई लक्षण नहीं है, इससे मरीजों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा होम क्वॉरेंटाइन में ही रहने की सलाह दी जा रही है। इस बीच मध्यप्रदेष जन अभियान परिषद के वालंटियर ग्रामीण स्तर तक घर-घर पहुंचकर लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही ''मैं कोरोना वॉलेंटियर'' के अंतर्गत वॉलेंटियरो ने सभी ग्रामीणों को जागरूक रहने की सलाह दी, साथ ही ग्राम में दीवारों पर लेखन कर यह समझाने का प्रयास किया गया कि, इस महामारी में हम कैसे सुरक्षित रह सकते हैं। समस्त गांव के दोनों और रोड पर लेखन करके यह जताने का प्रयास किया कि, बिना मास्क के गांव में कोई भी प्रवेश न करे। गांव में जिन्हें हल्के से लक्षण है, उनके तथा उनके परिवारजनों को कोरोना के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी। इसके अतिरिक्त होम कोरनटाइन में रहने वाले मरीज को समझाइश देते हुए कहा कि, शासन और जिला प्रशासन ने होम कोरंटाइन के जो नियम बनाए हैं उनका आप पूर्णतः गंभीरता से पालन करें, अन्यथा आपकी थोड़ी सी लापरवाही मोहल्ले के अन्य परिवारों को भी संक्रमित कर देगी। साथ ही उन्हें यह भी कहा कि, आप घर में भी मास्क लगाकर रखें और नियमित दवाइयों का सेवन करें। इसके अलावा कोरोना वालेंटियर अपने स्तर पर लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

ऑनलाईन प्रशिक्षण का आयोजन

जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक प्रवीण पंवार ने बताया कि, ''मैं कोरोना वॉलेंटियर अभियान'' अंतर्गत विकासखंड में ऑनलाईन वर्चुअल प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ है, जिसके तहत पेटलावद विकासखंड के सभी वॉलेंटियर का वर्चुअल प्रशिक्षण जूम एप्प के माध्यम से संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में कोरोना वालेंटियर को ''मेरा मास्क, मेरी सुरक्षा'', ''रोको-टोको अभियान'' व ''टीकाकरण'' के प्रति लोगों को प्रेरित करना, आमजन व समुदाय के बीच सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना आदि के बारे में बताया गया।

इस बीच ग्राम झकनावादा, गुलरीपाड़ा, बखतपुरा, बोरिया, खीनंदाखो बोरघाटा, प्रवीण यादव केसरपुरा, मेहसर सिंह गुड़िया, सुरेंद्र सिंह सिंगार, किशन डामर, पुष्पेंद्र सिंह सिंगार, विधायक प्रतिनिधि जीतेद्र राठौर, भीमसिंह कटारा सचिव ग्राम पंचायत झकनावदा, राजू वाखला कोटवार गुलरीपाड़ा, रतनसिंह सिंगार जीआरएस भेरुपाड़ा, जीतेद्र मेडा जीआरएस बखतपुरा, मोहन मेडा कोटवार बोरिया, जालमसिंह वाखला इनके अतिरिक्त मुख्यमंत्री समुदायक नेत्रत्व झमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र व मेंटर, ग्राम विकास प्रसफूटन समिति, नवांकुर समिति के पदाधिकरी, में कोरोना वॉलेंटियर के सदस्य, ग्राम पंचायत के पदाधिकरी व पुलिस प्रशासन के कर्मचारी आदि सभी का सहयोग मिल रहा है।

खेड़ापति हनुमान मंदिर एवं देवनारायण मंदिर पर एक दिवसीय यज्ञ कर की कोरोना वायरस के खात्मे की प्रार्थना

माही की गूंज सारंगी, संजय उपाध्याय

कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है संक्रमण बढ़ने से रोकने के लिए कोरोना कर्फ्यू लगाया गया है, लोग इसका पालन भी कर रहे हैं और प्रशासन को सहयोग भी कर रहे हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में भी पूजा-अर्चना कर कोरोना वायरस के खात्मे की लोग प्रार्थना कर रहे हैं।

इसी के चलते ग्राम सारंगी में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए लोगों ने अति प्राचीन खेड़ापति हनुमान मंदिर एवं देवनारायण मंदिर पर मंगलवार को एक दिवसीय एक कुंडी यज्ञ का आयोजन किया। इस दौरान कोरोना बीमारी के खात्मे के लिए यज्ञ में आहुतियां दी गई। सारंगी के ग्रामीणों ने बताया, महिषासुर मर्दिनी माता गोठड़ा खाचरोद के आदेश अनुसार गांव में खेड़ापति हनुमान मंदिर एवं देवनारायण मंदिर पर एक कुंडी यज्ञ पंडित मयूर जोशी द्वारा करवाया गया, इसमें यजमानो ने आहुति दी, यज्ञ में अभिमंत्रित जल का छिड़काव गांव के चारों और वह गलियों में किया गया। ताकि ग्रामीण कोरोना वायरस के संक्रमण से बच सके, ग्राम में महामारी न फैले। यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद आरती उतारी गई तथा प्रसादी का वितरण किया गया।

संकटमोचन मंदिर पर कोरोना संक्रमण से निजाद हेतु यज्ञ कर आहुतियां दी

माही की गूंज अमरगढ़, विजय पाटीदार

कोरोना महामारी की दूसरी लहर जहां अपना रौद्र रूप दिखा रही है वही दूसरी ओर गांव-गांव कोरोना से निजाद पाने के लिए हवन का सहारा लिया जा रहा है। प्राचीन भारतीय संस्कृति में दिनचर्या की शुरुआत हवन, यज्ञ, अग्निहोत्र आदि से होती थी, तपस्वी और ऋषि-मुनियों से लेकर गृहस्थ, ब्रह्मचारियों तक नित्य प्रतिरोज यज्ञ किया करते थे। प्रातः और सायं यज्ञ करके संसार के विविध रोगों का निवारण करते थे। ब्रह्मवर्चस शोधसंस्थान की किताब 'यज्ञ चिकित्सा' में बताया गया है कि, यज्ञों का वैज्ञानिक आधार है। यज्ञों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ उठाया जा सकता है और विभिन्न रोगों से छुटकारा भी पाया जा सकता है। यज्ञ के इन्ही गुणों को आधार मानते हुए मंगलवार को ग्राम अमरगढ़ में भी यज्ञ कर कोरोना महामारी से निजात पाने में ग्रामवासियों ने अपनी भी भूमिका निभाई। ग्राम के हनुमान मंदिर पर कोविड-19 की गाईडलाइन का पालन करते हुए पंडित सतनारायण त्रिपाठी द्वारा धार्मिक अनुष्ठान के साथ हवन करवाया गया। हवन के लिए ग्रामवासियों के घर-घर से हवन सामग्री को एकत्र किया गया था। वही हवन के दौरान सभी ग्रामवासियों ने अपने घर के बाहर नजदीकी खेत आदि में सुबह के भोजन की व्यवस्था की थी। हवन सम्पन्न होने के बाद आरती की गई और हवन में अभिमन्त्रित जल का पूरे ग्राम में छिड़काव किया गया। शाम को ग्राम की सुन्दरकाण्ड मंडली द्वारा सोशल डिस्टनसिंग को ध्यान में रखते हुए सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया गया।

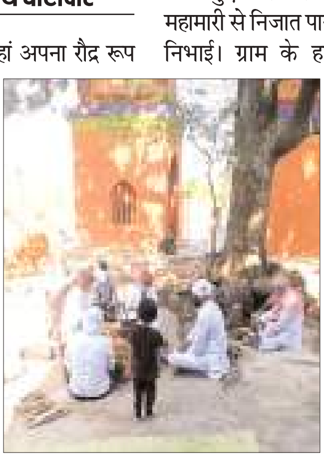

कोटवारों का हौसला बढ़ाने के लिए चौकी प्रभारी ने मास्क, सेनेटाइजर व विटामिन-सी की गोलियां की वितरित

माही की गूंज, सारंगी

कोरोना काल में जहां शासन-प्रशासन हर स्तर पर आमजन व मरीजों की देखभाल और सेवा में लगा हुआ है। वही पुलिस विभाग के साथ कोटवार पूर्ण रूप से मैदान में डटा हुआ है। पुलिस विभाग के कर्मचारियों के साथ कोटवार भी अपनी जान जोखिम में डालकर मुस्तैदी से डटकर काम कर रहे हैं, ग्राम में बने हुए पॉइंट पर कोटवार दिन-रात ड्यूटी कर रहे हैं। इसी को देखते हुए चौकी प्रभारी अशोक बघेल बरबेट रोड़, बस स्टैंड, भैरवनाथ बस स्टैंड पर बने हुए पॉइंट पर पहुंचकर कोटवारों को मास्क, सेनेटाइजर की बॉटल एवं विटामिन-सी की गोलीयां देकर उनका हौसला बढ़ाया। श्री बघेल ने कोटवारों से मास्क लगाने, हाथों को सेनेटाइज करने व लोगों की सुरक्षा के साथ अपनी भी सुरक्षा का ध्यान रखें के लिए कहा, साथ ही उन्होंने कोटवारों का हौसला भी बढ़ाया। चौकी प्रभारी के इस रवैए से क्षेत्र के कोटवारों में ऊर्जा का संचार हुआ है और अब वे दुगनी मेहनत से क्षेत्र की जनता की सुरक्षा में डटे रहेंगे। चौकी प्रभारी ने कोटवारों से कहा, आवश्यकता होने पर समय-समय पर मास्क, सेनेटाइजर और विटामिन-सी की गोलीयां और भी उपलब्ध करा दी जाएगी।

प्रशासन एवं समाजसेवियों के सहयोग से ब्लड डोनेशन कैंप हुआ आयोजित

माही की गूंज, पेटलावद

कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता मंगलवार को सिविल अस्पताल पेटलावद में प्रशासन और समाजसेवियों के माध्यम से आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में पहुंचे। यहां पर ब्लड डोनर का उत्साहवर्धन किया एवं मानव सेवा के सहयोग हेतु ब्लड डोनर का आभार व्यक्त किया। कोरोना संक्रमण संकट के समय ब्लड डोनेशन कैंप निश्चित ही कोरोना पीड़ित मरीज के लिए राहत प्रदान करेगा। नवनिर्मित सिविल अस्पताल पेटलावद में सर्वप्रथम हर्ष दवे ने ब्लड डोनेट किया, इसके पश्चात दीपक राठौर, रूपम पटवा, प्रकाश प्रजापत, प्रवीण पंवार, अनमोल पंवार, कुशाग्र शुक्ला, आकाश अमर सिंह गणावा एवं अन्य रक्त दाताओं ने रक्तदान किया। इस दौरान कुल 20 यूनिट रक्तदान प्राप्त किया गया। रक्तदान में मुख्य रुप से तेरापंथ जैन समाज अध्यक्ष रोहित जैन, जैन समाज अध्यक्ष एडवोकेट रूपम पटवा, आजाद ब्लड ग्रुप के सदस्यों द्वारा विशेष योगदान रहा। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, बीएमओ डॉक्टर एमएल चोपड़ा, डॉक्टर गोपाल चोयल, डॉ श्रीमती उर्मिला चोयल, तहसीलदार जितेंद्र अलावा, एसडीओपी सुश्री सोनू डावर, सीईओ जनपद पंचायत एनएस चौहान, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि एवं प्रभारी जिला जनसंपर्क अधिकारी सुधीर कुशवाह उपस्थित थे।

मंत्री डंग के क्षेत्र में पेयजल के लिए आमजन कर रहे त्राहि-त्राहि

माही की गूंज, मंदसौर/सुवासरा

भीषण गर्मी के बीच नगरवासी पेयजल संकट से परेशान हो रहे है। 18 करोड़ की चंबल योजना भ्रष्टाचार की बलि चढ़ने के दुष्परिणाम स्वरूप नगर में पेयजल को लेकर त्राहि-त्राहि मची हुई है। पेयजल समस्या को लेकर नागरिक सोशल मीडिया पर भी अपना आक्रोश जता रहे है। बावजूद प्रशासनिक अमला एवं जनप्रतिनिधि निष्क्रिय बने हुए हैं।

बता दे कि, क्षेत्र के विधायक हरदीप सिंह डंग प्रदेश के केबिनेट मंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्हीं के क्षेत्र में पेयजल संकट विकराल रूप धारण करता जा रहा है। नगर परिषद द्वारा एक दिन छोड़कर पेयजल वितरण किया जा रहा था। एक पखवाड़े से यह व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। पेयजल वितरण व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नगर परिषद के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी लापरवाही बरत रहे हैं। चंबल योजना के पाइपलाइन टूट-फुट जाना एवं विद्युत मोटर बार-बार जलना भ्रष्टाचार को उजागर कर रही है। नगरवासियों को नलों के माध्यम से पर्याप्त पेयजल आपूर्ति नहीं हो पा रही हैं। कई गली-मोहल्लों में तो बमुश्किल तीन चार डिब्बे पानी मिल पाता है, वह भी दो से तीन दिनों के अंतराल में। नगरवासी पेयजल हेतु दर-दर भटकने पर मजबूर है। कोरोना के डर के बीच ट्यूबवेल व हेंडपम्पों पर रात दिन भीड़ लग रही है। जहां कोरोना के नियमों की भी धज्जियां उड़ रही है। नागरिकों द्वारा सोशल मीडिया पर लगातार प्रतिक्रिया व्यक्त कर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है। परंतु अधिकारी व कर्मचारी इस समस्या की ओर ध्यान देने को तैयार नहीं है। इसी लापरवाही व अनदेखी के चलते दिनो-दिन पेयजल संकट गहराता जा रहा है जिससे नगर में पेयजल को लेकर त्राहि-त्राहि मची हुई है। राज्य शासन ने पेयजल समस्या के स्थाई समाधान हेतु 18 करोड की लागत की चंबल योजना का क्रियान्वयन भी किया है। इसके बावजूद नगर में पेयजल की भीषण समस्या उत्पन्ना होना कई सवाल खड़े कर रही है।

संपादकीय

भारतीय राज्य की नाकामी, जीवन के मौलिक अधिकारो की हो रक्षा

देश में कोविड संकट के बीच अपनों की जान बचाने को रोते-बिलखते और दर-दर की ठोकर खाते लोगों की पीड़ा को देश की अदालतों ने संवेदनशील ढंग से महसूस किया है और सत्ताधीशों को आड़े हाथों लिया है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्वास्थ्य सेवाओं की विफलता के बीच लोगों के जीवन रक्षक साधनों के अभाव में होने वाली मौतों को भारतीय राज्य के रूप में विफलता बताया है। अदालत ने कहा कि, राज्य का दायित्व है कि वह व्यक्ति के जीवन के मौलिक अधिकारो की रक्षा करे। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-12 के अनुसार राज्य के अवयवों के रूप में संसद, विधानसभाएं और स्थानीय निकाय आते हैं। लेकिन इस संकट की घड़ी में एक आम आदमी को राहत पहुंचाने में राज्य तंत्र विफल ही साबित हुआ है। हाल ही में दिल्ली व अन्य राज्यों में कोविड मरीजों की मौत की घटनाओं ने इस विफलता की पुष्टि की है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और रेखा पल्ली को एक ऐसे मरीज की मौत की पीड़ा ने उद्वेलित किया, जिसने अपने लिए आईसीयू बेड की मांग की थी, लेकिन ऑक्सीजन की प्रतीक्षा में दम तोड़ दिया। विडंबना ही है कि, पूरे देश से बड़ी संख्या में कोविड मरीजों की ऑक्सीजन न मिलने से मौत होने की खबरें लगातार आ रही हैं जो तंत्र की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। यह हमारे स्वास्थ्य सिस्टम की ही विफलता नहीं है, राज्य संस्था की भी विफलता है कि, मरीज प्राणवायु की तलाश में मारे-मारे घूम रहे हैं और कहीं से उनकी मदद नहीं हो पा रही है। कोरोना उपचार में काम आने वाली दवाओं के वितरण में कोताही और कालाबाजारी का बोलबाला लोगों की मुसीबत बढ़ा रहा है। केंद्र व राज्य सरकारों से पूछा जाए कि, पिछले एक साल से अधिक समय से देश को अपनी गिरफ्त में लेने वाले कोरोना संकट से निपटने के लिए समय रहते कदम क्यों नहीं उठाए गए? हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी कोविड संकट के दौर में केंद्र की कोताही पर कई सख्त टिप्पणियां की और इस संकट से राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाकर जूडने को कहा। शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति डीवीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव व? रवींद्र भट की पीठ ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि, अपनी मुश्किलों को सोशल मीडिया के जरिए व्यक्त करने वाले लोगों पर किसी कार्रवाई के प्रयास को न्यायालय की अवमानना माना जाएगा। उन्होंने कुछ राज्य सरकारों के ऐसे लोगों के खिलाफराष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की मंशा पर सवाल उठाए और कहा कि, राज्यों की विफलता से उपजे आक्रोश को इससे हवा मिलेगी। कोर्ट ने चेताया कि, सरकार व पुलिस, नागरिकों को अपने दुख-दर्द सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए दंडित करने का प्रयास न करे। कोर्ट ने सवाल उठाया कि, क्यों मरीजों को दवा व ऑक्सीजन के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। इसको लेकर शासन-प्रशासन को परिपक्व व्यवहार करने की जरूरत है। सरकार को संक्रमण में काम आने वाली दवाओं के आयात व वितरण को नियंत्रित करना चाहिए। साथ ही चेताया कि, सूचना क्रांति के दौर में सोशल मीडिया पर लगाम लगाई तो फिर अफवाहों को ही बल मिलेगा। दूसरी तरफप्रशासन व पुलिस के निचले स्तर पर ऐसे अधिकारों का दुरुपयोग आम लोगों के उत्पीड़न में भी किया जा सकता है। शासन-प्रशासन सख्ती का उपयोग करके अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के बजाए जनता से सूचना हासिल कर व्यवस्था सुधारने का प्रयास करे। अदालत ने माना कि, संकट के दौरान सोशल मीडिया के जरिए सहायता व सूचना का समांतर तंत्र विकसित हुआ है जो एक मायने में प्रशासन का सहयोग ही कर रहा है। शासन-प्रशासन को 21 वीं सदी के सूचना युग में 19 वीं सदी के तौर तरीकों की समस्या से नहीं निपटना चाहिए। दरअसल, जनता को विश्वास में लेने से समस्या का समाधान तलाशने में मदद मिलेगी। विश्वास कायम होने से संकट से निपटने में आसानी होगी। जनता व सरकार का सहयोग ही समाधान निकालेगा, लोग तकलीफमें हैं, जिसे संवेदनशील ढंग से ही दूर किया जाना चाहिए।

क्या से क्या हो गया, क्यों आई दोबारा लॉकडाउन की हालत ?

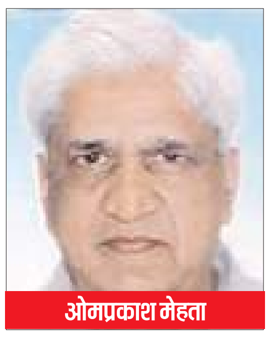
ओमप्रकाश मेहता

दिल्ली में उप-राज्यपाल याने सरकार सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की कानूनी रूप से अवमानना...?

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के एक आदेश के माध्यम से दिल्ली की राज्य सरकार का मुखिया अब मुख्यमंत्री नहीं बल्कि उप-राज्यपाल महोदय होगें। क्या केन्द्र के इस विवादित आदेश को भविष्य के लिए लोकत्रंतीय प्रणाली पर खतरें के रूप में मान लिया जाए? क्योंकि सत्ताईस अप्रैल की अर्द्धरात्रि के बाद से दिल्ली में जनता द्वारा चुनी हुई सरकार नहीं बल्कि केन्द्र द्वारा थोपी हुई 'सरकार' हावी हो चुकी है। वैसे तत्सम्बंधी विवादित अध्यादेश संसद ने लगभग एक माह पहले ही पारित किया था, जिसमें दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इस अध्यादेश का जमकर विरोध किया था। इसके बावजूद संसद के दोनों सदनों से यह अध्यादेश पारित होकर 'कानून' बन गया था, जिस पर बाद में राष्ट्रपति ने भी हस्ताक्षर कर दिए थे। अब दिल्ली की सरकार 'उप-राज्यपाल' पर केन्द्रीत हो गई है और मुख्यमंत्री एक अनुशासित नौकरशाह बन चुके है।

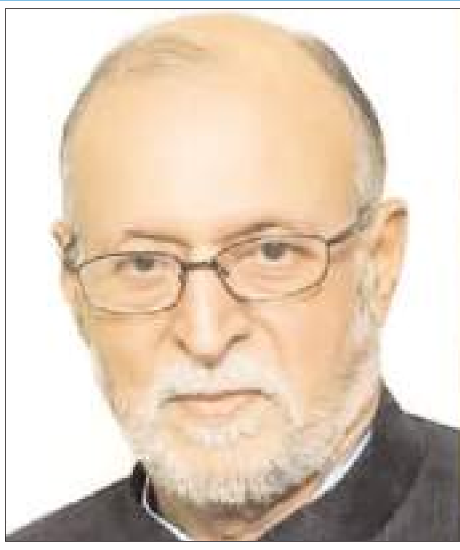

यद्यपि केन्द्र सरकार के इस आदेश को अलग-अलग वर्गों में अपने-अपने नजरियों से देखा जा रहा है। राजनीतिक क्षेत्रों में जहां इसे 'लोकतंत्र' पर 'राजतंत्र' के अवैध् कब्जे के रूप में देखा जा रहा है तो प्रशासनिक क्षेत्रों में इसे केन्द्र में सत्तारूढ़ दल की कूटनीतिक चाल बताया जा रहा है। किंतु देश का बुद्धिजीवी वर्ग केन्द्र के इस आदेश को प्रजातंत्र के दो प्रमुख स्तंभों के बीच टकराव बता रहा है। इस वर्ग का कहना है कि, आज जहां कोरोना महामारी को लेकर केन्द्र की भूमिका को लेकर जहां न्यायपालिका केन्द्र व राज्य सरकारों के खिलाफ तीखी से भी तीखी टिप्पणी करने में पीछे नहीं हट रही है और सरकारें इस दिशा में अपना बचाव ठीक से नहीं कर पा रही है। वहीं बुद्धिजीवियों का कहना है कि, सरकार इस आदेश के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ द्वारा तीन साल पहले दिए गए उस फैसले की कानूनी रूप से अवमानना कर रही है, जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने स्पष्ट कहा था कि, दिल्ली में जनता द्वारा चुनी हुई सरकार ही सर्वोच्च है। उप-राज्यपाल को उस चुनी हुई सरकार के दैनंदिनी कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। अब केन्द्र ने अपने इस विवादित आदेश में स्पष्ट रूप से लिखा है कि, ÷अब उप-राज्यपाल ही दिल्ली की 'सरकार' होंगे और मुख्यमंत्री व उनकी सरकार को हर फैसले उनसे पूर्व अनुमति लेकर लागू करना होगें, विधायी फैसलों की जानकारी पन्द्रह दिन पूर्व और प्रशासनिक फैसलों की जानकारी सात दिन पूर्व उप-राज्यपाल को देनी होगी और उनकी अनुमति के बाद ही उक्त फैसले लागू हो पाएगें और यदि उप-राज्यपाल उन फैसलों पर असहमति व्यक्त करते है तो उक्त फैसले लागू नहीं हो पाएगें।

केन्द्र सरकार के इस आदेश ने एक ओर जहां देश की लोकतंत्री प्रणाली को भारी आघात पहुंचाया है, वहीं इस असंवैधानिक परिपाटी की शुरूआत देश की राजधानी से कर दी गई है और जिस कानून के तहत इसे लागू किया गया है, उसका नाम ÷राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन संशोधन कानून 2021÷ दिया गया है। इस पर केन्द्र सरकार की मासूम सी दलील है कि, इस आदेश के द्वारा उप-राज्यपाल की शक्तियों व अधिकारों को स्पष्ट किया गया है, इससे अधिक कुछ नहीं है। जबकि दिल्ली के मुख्यमंत्री व उप-मुख्यमंत्री शुरू से ही इस अध्यादेश का यह कहकर विरोध कर रहे है कि, यह देश की लोकतंत्री व्यवस्था खत्म करने का प्रयास है। यद्यपि इस आदेश के लागू होने के बाद मुख्यमंत्री केजरीवाल तथा उप मुख्यमंत्री सिसोदिया की कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने तो नही आई है। किंतु जब यह अध्यादेश संसद के विचाराधीन था, तब मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री ने इसका तीखा विरोध करते हुए इसके लागू होने पर सर्वोच्च न्यायालय के द्वार खटखटाने की बात अवश्य कही थी। यदि शासन के इस आदेश को सर्वोच्च न्यायालय तक ले जाया जाता है तो स्पष्ट है कि, सर्वोच्च न्यायालय अपनी संविधान पीठ के फैसले की ही रक्षा करेगी। अब देखिये आगे... आगे होता है क्या? किंतु यह सही है कि, केन्द्र के इस आदेश ने कई गंभीर विवादों को जन्म अवश्य दे दिया है।

लॉकडाउन जरूरी था नहीं

सिद्वार्थ शंकर

कोरोना की दूसरी लहर में तेजी से हो रहे संक्रमण की चेन को तोडने के लिए कोविड टास्क फोर्स के मेंबर्स ने कम्प्लीट लॉकडाउन की मांग की है। इन स्थितियों में संक्रमण की चेन तोडने के लिए दो हफ्ते का लॉकडाउन जरूरी है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि, केंद्र और राज्य संक्रमण रोकने के लिए लॉकडाउन लगाने पर विचार करें। कोर्ट कमजोर तबके पर पडने वाले सामाजिक और आर्थिक नतीजों से वाकिफहै। इससे पहले अमेरिका के शीर्ष मेडिकल सलाहकार डॉ. एंथनी फौसी ने भी कहा है कि, भारत में संपूर्ण लॉकडाउन के बिना महामारी पर नियंत्रण संभव नहीं है, कई देश लॉकडाउन के सहारे महामारी से जंग जीत सके हैं, मगर भारत क्या सिर्फलॉकडाउन से जंग जीत जाएगा, यह सवाल है।

विचार मंथन

भारत की सामाजिक संरचना दूसरे देशों से भिन्न है। अपने देश में ऐसा बड़ा तबका है, जो रोज कमाता-खाता है। पिछले साल लॉकडाउन में इस तबके की हालत सब देख चुके हैं, फिर अर्थव्यवस्था का जो हाल हुआ है, उससे देश अब तक नहीं उबर सका है। ऐसे में एक बार फिर देशव्यापी लॉकडाउन भारत की कमर तोडने का काम तो नहीं करेगा। अभी से ही कोरोना की दूसरी लहर का असर अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। पिछले साल जब संकट की शुरुआत हुई थी, तब भी वक्त यही था। इस साल की पहली तिमाही के आंकड़े आने में तो चार महीने लगेंगे, लेकिन हालात के संकेत गंभीर हैं। पिछले साल किए गए 68 दिन के लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था अभी उबर भी नहीं पाई कि, फिर से लॉकडाउन और प्रतिबंधों ने कारोबारियों में खौफपैदा कर दिया है। इस बार संकट कही ज्यादा गहरा है, संक्रमण जिस रफ्तार से बढ़ रहा है, जल्द ही पांच लाख रोजाना का आंकड़ा छू जाएगा। सरकारें एकदम लाचार हैं।

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के कहने के बावजूद अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति सुचारू नहीं हो पा रही है। ऐसे में लोगों को मरने से कौन बचा सकता है? इसलिए यह सवाल उठना लाजिमी है कि, जो सरकार नागरिकों को ऑक्सीजन और दवाइयां मुहैया करवा पाने में नाकाम साबित हो रही हो, वह अर्थव्यवस्था को कैसे बचा पाएगी? कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जिस पर दूसरी लहर का असर नहीं दिख रहा हो। सबसे ज्यादा दुर्गति तो असंगठित क्षेत्र के उद्योगों और कामगारों की हो रही है। अर्थव्यवस्था में असंगठित क्षेत्र की भूमिका सबसे बड़ी है, देश के सकल घरेलू उत्पाद में इसका भारी योगदान रहता है। सबसे ज्यादा श्रम बल भी इसी क्षेत्र में लगा है। ऐसे में लॉकडाउन, कारोबार बंद रखने के प्रतिबंध अर्थव्यवस्था को फिर से गर्त में धकेल देंगे। महाराष्ट्र में जिस तरह की सख्त पाबंदियां लगी हैं, वे लॉकडाउन से कम नहीं हैं। इसका असर यह हुआ है कि, जो लाखों लोग दिहाड़ी मजदूरी या अन्य छोटा-मोटा काम कर गुजारा चला रहे थे, वे अब खाली हाथ हैं, उनके काम-धंधे चौपट हैं। देश के बड़े थोक बाजार, व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद होने से हजारों करोड़ रुपए रोजाना का नुकसान होता है। यह पिछले एक साल में हम भुगत भी चुके हैं। ईधर, वित्त मंत्रालय भरोसा दिलाता रहा है कि दूसरी लहर का आर्थिक गतिविधियों पर असर ज्यादा नहीं पड़ेगा। लेकिन जिस व्यापक स्तर पर कारोबारी गतिविधियों में ठहराव देखने को मिल रहा है, उससे आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्था पर मार पडना लाजिमी है। मुद्दा यह है कि आबादी का बड़ा हिस्सा जो होटल, पर्यटन, खानपान, थोक और खुदरा कारोबार, आपूर्ति, मनोरंजन, परिवहन सेवा, सेवा क्षेत्र आदि से जुड़ा है, वह कैसे बंदी को झेल पाएगा। काम बंद होने पर कंपनियां वेतन देने में हाथ खड़े कर देती हैं। निर्माण क्षेत्र और जमीन जायदाद कारोबार की हालत छिपी नहीं है। निर्माण कार्य ठप पडने से मजदूर बेरोजगार हैं। इससे सीमेंट, इस्पात और लोहा जैसे क्षेत्रों में भी उत्पादन प्रभावित हो रहा है। वाहन उद्योग भी रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। यह तस्वीर पिछले साल के हालात की याद दिलाने लगी है। अगर एक बार फिर से लंबी बंदी झेलनी पड़ गई तो अर्थव्यवस्था को पिछले साल जून की हालत में जाते देर नहीं लगेगी।

चिकित्सा सेवाओं को सेना के हवाले करने का वक्त

सिद्वार्थ शंकर

कोरोना महामारी ने हमारी चिकित्सा व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सरकारी नियंत्रण कमजोर हो गया है। अस्पतालों में बैड, दवाई ओर ऑक्सीजन की बोलिया लगाई जा रही है। जो ऊंची बोली बोल रहा है वह सुविधाएं प्राप्त कर रहा है। दवाइयों ओर ऑक्सीजन की व्यवस्थाओ पर कालाबाजारियों का कब्जा हो गया है। कोरोना संक्रमितों से मनचाही राशि वसूली जाने के समाचार प्रतिदिन प्राप्त हो रहें है। जीवन रक्षक रेमडेसिविर की कालाबाजारी से अखबार भरे पढ़ें है। आक्सीजन की कमी से प्रतिदिन मौते हो रही है। यह घटनाएं रोज-रोज सुनाई दे रहीं है। यह तस्वीर किसी एक राज्य की नहीं,सम्पूर्ण भारत में एक जैसी तस्वीर उभरकर सामने आ रहीं है। महामारी के इस दौर में अव्यवस्थाओं का बोलबाला मन को विचलित करता है। धन कमाने की लालसा में व्यवस्थाओं का इतने निम्न स्तर पर पहुच जानें एवं लाशों पर व्यापार करने की यह शर्मनाक स्थिति हमारी सरकारों की लचर कार्यप्रणाली को दर्शा रही है। सरकारों को इस समय कठोर रुख इख्तियार करना होगा। नागरिक स्वास्थ्य की रक्षा सरकार की प्राथमिक जवाबदेही है। ऐसे समय स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का संचालन ओर प्रबन्धन सेना के हवाले किए जाने पर भी विचार किया जाना चाहिए।

कोरोना की दुसरी लहर ने देश के सभी प्रान्तों में एकसा कहर मचाया हुआ है। हर राज्य अस्पतालों, आक्सीजन ओर दवाइयों की कमी से जूझ रहा है। इन सुविधाओ के अभाव में नागरिको को अपनी जान देना पड़ रही है। देश मे कोरोना संक्रमितों की संख्या 2 करोड़ के पार हो गयी है। प्रतिदिन तीन हजार से ज्यादा मौते हो रही है। रोज किसी अपने की जान चली जाना, मुक्तिधामों में दिनरात लाशों का जलना, स्थिति की विकटता को दर्शा रहा है। आक्सीजन की कमी से कर्नाटक में 25 लोगो की मौत हो गई, इससे पूर्व मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, गुजरात सहित देश के सभी राज्यों में ऑक्सीजन की कमी से लोगो के मरने की घटनाएं घट चुकी है। यह घटनाएं अब भी जारी है। देश के कोरोना प्रभावित राज्यों में आमजन इलाज के अभाव में मर रहें है। सरकारी अस्पतालों में सुविधाए नाकाफी सिद्ध हो रही है,तो निजी अस्पतालों को अपनी कमाई की चिंता है। इन प्रायवेट अस्पतालों से जो तस्वीरें सामने आ रहीं है। वह बेहद शर्मनाक है। मृतको के शव देने के लिए भी भारी बकाया राशि देने की मांग की जा रही है। 5 से 10 लाख चुका देने के बाद भी यह अस्पताल रुक नहीं रहे है। प्रायवेट अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं की बोलिया लग रही है। महंगी दवाइयों की मांग डॉक्टरों ओर दवा कम्पनियों की साजिश से पैदा किये जाने के संकेत साफदिखाई दे रहें है। रेमडेसिविर के विकल्पों पर एम्स के ख्यातनाम डॉक्टर अपना परामर्श दें रहें है, किन्तु संक्रमितों को रेमड़ेसिविर का परामर्श देने से निजी अस्पतालों के कमाऊपूत डॉक्टर बाज नहीं आ रहें है। सिटी स्कैन के बारे में भी बेवजह परामर्श दिया जा रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग इस महंगी चिकित्सा को वहन करने में सक्षम नहीं दिख रहा है। आमजन इलाज के अभाव में मौत को गले लगा रहा है। राज्य सरकारें अस्पतालों को रेट लिस्ट लगाने का आदेश दे रही है, जिसे कोई भी प्रायवेट अस्पताल मानने को तैयार नहीं है। इस महामारी ने सरकारों के नियंत्रण की क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। आपदा के इस दौर में जब केंद्र और राज्य सरकारों को कड़े ओर दृढ़ कदम उठाने की आवश्यकता है। ये सरकारें राजनैतिक आरोप-प्रत्यारोप लगाने में समय जाया कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की चरमराती व्यवस्थाओं पर अंकुश लगाने में देरी करना माहमारी को अधिक बढ़ा सकता है।

ऐसे में भारतीय सेना ही एकमात्र विकल्प दिखाई दे रहा है। जो आपदा के विकराल रूप को नियंत्रित कर सकती है। इस हेतु सरकार को चिकित्सा सेवाओं को सेना के नियंत्रण में सौप देना चाहिए। आपदा के दौरान सरकारी और निजी चिकित्सालय सेना के नियंत्रण में रहेंगे,आक्सीजन ओर दवाइयों का प्रबंधन और देखरेख भी सेना के जिम्मे होगा। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकना देश के लिए सबसे अहम हो गया है। इसके लिए सभी विकल्पों को आजमाने की आवश्यकता है। चिकित्सा सेवाओ के प्रबंधन को सेना के जिम्मे सौंपना वर्तमान दौर में जरूरी विकल्प दिखाई पड़ रहा है। सेना का कठोर अनुशासन ही चिकित्सा सेवाओं में व्याप्त अव्यवस्था को खत्म कर महामारी को नियंत्रित करने में जल्द सफल होगा।

आरती आर जेरथ

नतीजों से ओर शक्तिशाली हुए क्षत्रप

विधानसभा चुनावों के नतीजों को अगर देखें, तो खासतौर पर ममता बेनर्जी की जीत स्तब्धकारी है। उन्हें क्या खूब जनादेश मिला है, जब विपक्ष के कद्दावर नेता लगभग रोज ही ममता बेनर्जी को निशाना बनाने में लगे थे। तमाम कोशिशों के बावजूद ममता बेनर्जी की सीटों की संख्या घटने के बजाए पिछली बार की तुलना में बढ़ गई है। तमाम विपक्षी नेताओं में अगर आप देखते हैं कि, ममता बेनर्जी सबसे बड़ी भाजपा विरोधी और प्रधानमंत्री की सबसे मुखर आलोचक रही हैं। ममता बेनर्जी ने पूरा चुनाव अभियान नरेंद्र मोदी के खिलाफचलाया है। अभियान के दौरान ही उन्होंने सभी विपक्षी नेताओं को चिट्ठी लिखी थी कि, हमें लोकतंत्र को बचाने के लिए एक नेशनल फ्रंट बनाना चाहिए। आने वाले समय में ममता बेनर्जी का यह एक बड़ा एजेंडा होगा कि, केंद्र सरकार के विरोध के लिए क्षेत्रीय दलों का एक फ्रंट बनाएं। यह फ्रंट चुनाव के लिए तो नहीं होगा, लेकिन जिस तरह से केंद्र सरकार सारी शक्तियों का केंद्रीकरण कर रही है, राज्यों को उपेक्षा महसूस हो रही है, इन विषयों पर ममता बेनर्जी बाकी पार्टियों को लेकर नरेंद्र मोदी के खिलाफ खूब लड़ेंगी और इसमें उन्हें तमिलनाडु के द्रमुक नेता एमके स्टालिन और केरल के नेता पी विजयन का साथ मिलेगा। ये दोनों नेता भी अपने-अपने राज्य में बहुत तगड़े जनादेश से जीतकर आए हैं। ये भी संघवाद पर बहुत मजबूती से विश्वास करने वाले नेता हैं।

कुल मिलाकर, कोरोना ने जिस तरह से नरेंद्र मोदी की छवि को धक्का पहुंचाया है और जिस तरह से उनकी देश और विदेश की प्रेस में आलोचना हो रही है। ज्यादातर लोग कह रहे हैं कि, यह सब पूरा केंद्र सरकार का कुप्रबंधन था, जिसके कारण लोग जान गंवा रहे हैं। अगर सरकार थोड़ा सतर्क रहती और विशेषज्ञों की बात सुन लेती, तो इतना बुरा हाल न होता, अब लड़ाई यहीं से शुरू होगी। आगे आने वाले महीनों में यह बढ़ेगी। दूसरी ओर, कांग्रेस का तो सफाया हो गया है, कोई भी कांग्रेस की तरफदेख नहीं रहा है। कांग्रेस की अपनी राजनीति है, अपनी सोच है, जो क्षेत्रीय पार्टियों से अलग है। क्षेत्रीय दलों के लिए रास्ता अब आसान हो गया है, कांग्रेस उनकी राह में कोई अड़चन नहीं डाल सकती। अन्य मुख्यमंत्री जैसे उडिसा में नवीन पटनायक, आंध्रप्रदेश में जगन रेड्डी और तेलंगाना में चंद्रशेखर राव अब तक लगभग चुप थे, लेकिन अब कोरोना की वजह से कुछ-कुछ उनकी आवाज भी निकल रही है। ये लोग भी ममता के साथ जुड़ने की कोशिश करेंगे। अब देखना है, उत्तर प्रदेश में क्या होता है। छह महीने में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो जाएगी। यहां विपक्षी दलों के पास कानून-व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा है। दूसरा कोरोना जिस तरह फैल रहा है, लोग जिस तरह जान गंवा रहे हैं, यह बड़ा मुद्दा है। तीसरा मुद्दा है, कृषि कानूनों के खिलाफचल रहा आंदोलन। उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष अगर एकजुट हो गया, तो उसकी आवाज बहुत बढ़ जाएगी। मुख्य बात यही होगी कि, क्षेत्रीय पार्टियां केंद्रीकरण का विरोध करेंगी। किसी भी तरह की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाएंगी। मांग उठेगी कि, केंद्र सरकार को संघवाद पर आना ही पड़ेगा। हमारा संविधान संघीय ढांचे की गारंटी देता है। चुनावी नतीजों से वन इंडिया, वन पीपुल, वन लंग्वेज के नारे को चोट लगी है। दक्षिण के राज्यों में भाजपा की कोशिशें लगभग नाकाम रही हैं। इन राज्यों में क्षेत्रीय पहचान, भाषा और संस्कृति का महत्व ज्यादा है। यह समझना पड़ेगा कि, वन इंडिया का जो सपना है, एक भाषा, एक रहन-सहन रखना, यह नहीं चलेगा। यही आवाज केरल, तमिलनाडु और बंगाल से मुखरता से उठी है। खासकर बंगाल जहां भाजपा ने बहुत जोर लगा दिया, फिर भी लोगों ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। दूसरी बात, ममता बेनर्जी के खिलाफहर जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा तो काम नहीं कर सकता, वह तो प्रधानमंत्री हैं। तमिलनाडु में भाजपा के पास क्या चेहरा है? केरल में क्या चेहरा है, श्रीधरन, जो 85 साल के हो चुके हैं? चुनावों ने साफकर दिया है कि, विविधता में एकता का सबक भाजपा को सीखना ही पड़ेगा। हमारे यहां अलग-अलग संस्कृति है, सबको एक धारा में डालना बहुत ही मुश्किल है, ऐसा हो नहीं सकता। जहां केरल में वामपंथियों की जीत की बात है, तो यह चुनाव वाम ने नहीं जीता है। जीत का पूरा श्रेय विजयन के प्रशासन को जाता है। वहां जीत विचारधारा की नहीं, कामकाज की हुई है। बाढ़ आई थी, कोरोना फैला है, इसे जिस तरह से विजयन ने संभाला है, उसे लोगों ने सराहा है। केरल में एक और महत्वपूर्ण बात हुई है कि, ईसाई वोट वामपंथियों को गया है। यह वोट हमेशा कांग्रेस की ओर जाता था। इस समुदाय ने भी बेहतर प्रशासन देखकर ही विजयन के पक्ष में वोट किया है। उधर, तमिलनाडु में कमल हासन जैसे अभिनेता चुनाव हार गए हैं। लगता है, तमिलनाडु में फिल्म स्टार की राजनीति का जमाना खत्म हो गया, अब नई राजनीति चलेगी। देखने वाली बात होगी कि, स्टालिन के समय किस तरह की राजनीति शुरू होती है। स्टालिन पुरानी द्रविड़ मुद्रा में नहीं हैं। तमिलनाडु में जो हुआ है, वह अपेक्षित ही था, दस साल से अन्नाद्रमुक शासन में थी। जयललिता भी मैदान में नहीं थीं, स्टालिन को फायदा हुआ। बहरहाल, लोगों का ज्यादा ध्यान बंगाल पर लगा रहेगा। जहां ममता बेनर्जी के सामने हिंसा का मामला होगा और 'कट मनी' का भी। दोनों कमियों को किसी तरह से संभालना पड़ेगा। भाजपा अब बड़ी विपक्षी है, तीन से 75 सीट पर आ गई है, लेफ्ट और कांग्रेस साफहै। ममता बेनर्जी के सामने चुनौती अब पहले से बड़ी है। उन्हें केंद्र सरकार के खिलाफमोर्चा बनाने के साथ ही शासन अच्छे से चलाकर दिखाना होगा।

चेतन्य काश्यप फाउण्डेशन द्वारा 70 लाख के आयातित ऑक्सीजन कंसंट्रेटर से मेडिकल कॉलेज में 60 बेड के नए वार्ड की शुरुआत

माही की गूंज, रतलाम

कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप से चिंतित शहरवासियो के लिए चेतन्य काश्यप फाउण्डेशन ने फिर एक बड़ा कदम उठाया है। फाउण्डेशन ने रतलाम मेडिकल कॉलेज में मरीजों के उपचार हेतु 70 लाख रूपए की लागत से 70 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आयात कर 60 बेड का नया ऑक्सीजन सुविधा युक्त कोविड केयर वार्ड शुरू किया है। मंगलवार को फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं विधायक चेतन्य काश्यप ने इस वार्ड को प्रारंभ कर बताया कि, अब मेडिकल कॉलेज में मरीजों की प्रतीक्षा सूची व समय में कमी आएगी। फाउंडेशन द्वारा स्थापित किए जाने वाले 1 करोड़ 2 लाख रूपए की लागत के पीएसए टेक्नोलॉजी के ऑक्सीजन प्लांट की शुरुआत भी अगले सप्ताह हो जाएगी। विधायक कश्यप ने कहा कि, कोविड-19 महामारी में रतलाम मेडिकल कॉलेज अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में 350 ऑक्सीजन के बेड यहां उपलब्ध है, लेकिन लगातार संख्या बढ़ने के कारण नए मरीजों को काफी प्रतीक्षा करना पड़ रही है। उन्होंने कहा कि, मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मेडिकल कॉलेज में एक नए वार्ड की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, लेकिन लिक्विड ऑक्सीजन की कमी थी। चेतन्य काश्यप फाउण्डेशन व सहयोगी संस्था द्वारा अनुमानित 70 लाख रूपए की लागत से 10 लीटर क्षमता वाले 70 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आयात किए गए। जिला प्रशासन एवं मेडिकल कालेज प्रबंधन से चर्चा कर एक नया वार्ड बनाने पर सहमति बनी, जिस पर 60 बेड का नया ऑक्सीजन वार्ड आरंभ कर समस्त ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मेडिकल कॉलेज को सुपुर्द कर दिए। इनकी मदद से नए ऑक्सीजन वार्ड में माइल्ड/मॉडरेट मरीजों का उपचार होगा। श्री काश्यप ने बताया कि, ये कंसंट्रेटर हवा से सीधे ऑक्सीजन बनाते है, जिससे नए वार्ड में लिक्वीड ऑक्सीजन की मांग निर्मित ही नहीं होगी। काश्यप ने कहा कि, नए ऑक्सीजन वार्ड के शुरू होने से मेडिकल कालेज में ऑक्सीजन बेड की क्षमता 350 से बढ़कर 410 हो गई है, वहीं कुल क्षमता 450 से बढ़कर 510 बेड की हो गई है। इससे महामारी के दौर मे मरीजों और उनके परिवारजन को राहत मिलेगी। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग कार्यवाह आशुतोष शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह लुनेरा सहित भाजपा के जिला महामंत्री व मण्डल अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता सहित कलेक्टर गोपालचंद डाड, एसपी गौरव तिवारी, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेन्द्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

जनसेवा के लिए लगातार सक्रिय हैं कश्यप

रतलाम मेडिकल कॉलेज, रतलाम शहर विधायक चेतन कश्यप की ही देन है, जिनके प्रयासों से रतलाम जिले को इतनी बड़ी सौगात मिली है। उक्त मेडिकल कॉलेज में भले ही कई लोग दम तोड़ चुके हैं, लेकिन हजारों मरीज भी स्वस्थ होकर घर भी गए हैं। कई जिलों के कोरोना संक्रमित मरीज मेडिकल कॉलेज पहुँच रहे हैं और यहां मरीजों को जिस प्रकार की सुविधा और दवाइयों की कोई कमी नही हो रही है, तो उसके पीछे भी विधायक कश्यप की अहम भूमिका है, जो दिन-रात कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए लगे हैं। कश्यप न केवल सरकार से जरूरी मदत ले पा रहे, बल्कि स्वयं की और से व उनके फाउंडेशन की और से लगातार लोगो के लिए जरूरी सामान, दवाइयां, भोजन आदि उपलब्ध करवा रहे हैं। विधायक कश्यप के प्रयासों की सराहना हर कोई कर रहा है। जहां सोशल मीडिया पर लोग नेताओं की अनउप्लब्धता को देखकर उनकी लू उतार रहे हैं, वही विधायक कश्यप की शान में कसीदे पड़कर अवसरवादी नेताओं को कश्यप से सबक लेने की बात कर रहे हैं।

खतरे की घंटी: जिला अस्पताल में रहता है एक दिन का ऑक्सीजन सिलेंडर का स्टाक

माही की गूंज, मंदसौर

जिले में मौजूदा स्वास्थ्य अमला अपने स्तर पर कोरोना संक्रमितों के उपचार में पूरा जोर लगा रहा है। इधर जिला अस्पताल में ऑक्सीजन का एक दिन का स्टाक ही रहता है। अगर किसी कारण वष एक दिन भी गाड़ी ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिल करवाकर नही लाई तो अगले दिन ही ऑक्सीजन के अभाव में कोरोना से मरने वाले लोगो की श्मषान घाट पर लम्बी कतार लगने की पुरी यंभावना है, जो एक बड़े खतरे को दावत दे रहा है। दिन भर अधिकारी नागदा व रतलाम एक कर रहे हैं। वहां से दिन भर में दो-तीन गाड़ी सिलेंडर रिफिल कराकर ला रहे हैं। अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 240 सिलिंडर लग रहे हैं। और लगभग इतनी ही व्यवस्थाप रोज हो रही है। फिर भी इस बार तेजी से बढ़ते संक्रमितों ने पूरे सिस्टम को ध्वस्त होने की कगार पर खड़ा कर दिया है। शनिवार रात में भी जिले में अभी तक के सर्वाधिक 241 पाजिटिव मरीज मिले हैं। 32 दिनों में ही कुल मरीज 3018 पर पहुंच गए है। अभी भी सक्रिय मरीज 601 हैं।

कोरोना महामारी से सावधान, स्वामी जी ने दिया मार्गदर्शन

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)

अनंत श्री विभूषित भानपुरा पीठाधीश्वर स्वामी श्री ज्ञानानंद जी तीर्थ महाराज ने देश व दुनिया में आई महामारी कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को सचेत कर सावधान रहने हेतु आग्रह किया है। उन्हीं के शब्दों में उनके हस्ताक्षरित पत्र जारी कर जन-जन को आशीर्वाद स्वरूप मार्गदर्शन दिया है। जिस पर चलकर सभी पूर्व की भांति सकुशल अपना जीवन यापन करते हुए आने वाले समय में खुशहाल जीवन व्यतित कर सकेंगे, उक्त आशीर्वाद प्रदान किया है। हम सभी को उन्होंने अपने बताए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को स्वस्थ बनाने का आग्रह किया हैं।

पटलावदा में पीआरटी टीम द्वारा कोविड-19 की जांच की गई

माही की गूंज, शुजालपुर

ग्राम पंचायत पटलावदा में पीआरटी टीम द्वारा कोविड-19 की जांच की गई, जिसमें आरएचटी-18 एवं आरटी-पीसीआर-16 जांच की गई। जांच में 2 पॉजिटिव एवं 5 संभावित संक्रमित पाए गए, जिन्हें टीम द्वारा मेडिकल किट प्रदान कर होम क्वारिंटाइन किया गया। जांच के दौरान प्रशासकीय अमले में एसडीओपी श्री द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी नितिन भट्ट, नायाब तहसीलदार अकोदिया मुकेश सांवले, सेशा थाना प्रभारी अकोदिया अवदेश कुमार, सीएमओ नगर पंचायत अकोदिया, सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत पटलावदा कपिल परमार, पीसीओ अंतरसिंह वर्मा, स्वास्थ विभाग की टीम में सीएचआर गोपाल परमार, सेक्टर सुपरवाइजर रायसिंह वर्मा, आशा कार्यकर्ता श्रीमति प्रतिमा परमार, श्रीमती पार्वती चौहान, सचिव सुभाष मेवाड़ा, रोजगार सहायक राहुल परमार आदि उपस्थित थे।

जिला अस्पताल के लिए पहुंची सीटी स्कैन मशीन

माही की गूंज, मंदसौर

लंबे इंतजार के बाद मंदसौर जिला अस्पताल के लिए सीटी स्कैन मशीन शहर में आ गई है। मंगलवार को यह मशीन ट्राले में भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर परिसर में रखी रही। अब टेक्नीशियन के आने पर इसको जिला अस्पताल में लाकर फिटिंग किया जाएगा, उसके बाद रेडियेशन का स्तर मापा जाएगा। मापदंडों में फिट बैठने पर तकनीकी विशेषज्ञ आमजन के लिए उपयोग करने के लिए एनओसी देंगे। अब जब भी सीटी स्कैन मशीन को फिट करने वाले टैक्नीशियन मंदसौर पहुंचेंगे तक मशीन को जिला अस्पताल में परिसर में लाया जाएगा। उसके बाद उसे फिट पर ट्रायल लिया जाएगा। जिसमें रेडिएशन का स्तर नापा जाएगा। तय मापदंड पर रेडिएशन होने के बाद ही इसकी एनओसी जारी की जाएगी। इसके बाद दो या तीन दिन में मरीजों को इसका लाभ मिलने लगेगा।

ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, मंदसौर

जिला चिकित्सालय मंदसौर में ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट द्वारा कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। ब्लड सेंटर पर 1 यूनिट रक्त को चार भागों में विभक्त करना संभव हो सकेगा। इसके द्वारा पैक्ड रेड ब्लड सेल, प्लाज्मा, प्लेटलेट एवं क्रायोप्रेसिपिपेट बनाया जा सकेगा। ब्लड सेंटर के क्रियान्वित होने से लाभान्वित मुख्य रूप से गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशु, ब्लड कैंसर, डेंगू के मरीज हीमोफीलिया एवं अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों को आवश्यक रक्त अत्यय प्रदान किया जा सकेगा। साथ ही शीघ्र ही कोविड-19 संक्रमित मरीजों को जीवन रक्षक प्लाज्मा थेरेपी दिया जाना भी संभव हो पाएगा। ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर मनोज पुष्प, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. नमिता मिश्रा, पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ मंडवारिया एवं टेक्निकल सुपरवाइजर राजेश शर्मा, औषधि निरीक्षक जय प्रकाश कुमावत उपस्थित थे। इस यूनिट का संचालन सीएमएचओ डॉ. केएल राठौड़ एवं प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. डीके पीपल के मार्गदर्शन में होगा।

राज्यमंत्री परमार ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की

माही की गूंज, शुजालपुर

जिन ग्रामों में सर्दी-खांसी और बुखार के मरीज ज्यादा हैं वहां विशेष दल भेजकर ग्रामीणों की कोरोना जांच कराएं। उक्त निर्देश स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्?य प्रशासन राज्यमंत्री एवं जिला प्रभारी इन्दर सिंह परमार ने शुजालपुर में राजस्व विभाग के तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों, स्वास्थ्य विभाग के खंड चिकित्सा अधिकारियों, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, नगरीय निकायों के सीएमओ की बैठक लेकर दिए। इस अवसर पर कलेक्टर दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती मिशा सिंह भी मौजूद थी।

राज्यमंत्री श्री परमार ने कहा कि, गांव में लोग बड़ी संख्या में बीमार हो रहे हैं, इसलिए गांवों में सर्वे कराकर इन लोगों की कोरोना टेस्टिंग कराना आवश्यक है। टेस्टिंग की संख्या बढ़ती है तो कोई दिक्कत नहीं, किन्तु हमें बीमार लोगों का उपचार करना जरूरी है। साथ ही कोरोना से संक्रमित लोगों को आईसोलेट कर अन्य लोगों को संक्रमण से बचाना भी है। उन्होंने कहा कि, आमतौर पर ग्रामीण मरीजों की जानकारी नहीं देते हैं, इसलिए मरीजों का पता लगाने के लिए गांव के प्रमुख लोगों, गांवों में उपचार कर रहे चिकित्सकों, सरपंचों, आदि से जानकारी लेना पड़ेगा। श्री परमार ने कहा कि, गांव के लोगों को जागरूक करने की जरूरत है, इसलिए सामाजिक एव जनअभियान परिषद के कार्यकर्ताओं के समूह ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों से अपील करें और कोरोना के दुष्प्रभाव बताकर इससे सुरक्षित रहने के लिए जागरूक करें।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि, ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण ज्यादा बढ़ रहा है, इसलिए टेस्टिंग पर जोर देने की जरूरत है। वर्तमान में ग्रामीण सर्दी-बुखार, खांसी के मरीजों का उपचार अस्पतालों में न कराते हुए घर में ही करवा रहे हैं और स्थिति बिगड़ते ही अस्पतालों में ला रहे हैं, ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है। ग्रामों में संक्रमण नहीं फैले इसके लिए स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, राजस्व एवं पंचायत विभाग के कर्मचारी जिन्हे सर्वे में लगाया गया है वे सावधानी एवं सुरक्षा के साथ पूरी उर्जा से डोर-टू-डोर सर्वे कर बीमार लोगों की जानकारी प्राप्त करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओं श्रीमती मिशा सिंह ने बताया कि, जिले की 326 ग्राम पंचायतों में से 147 ग्राम पंचायते अभी कोरोना संक्रमण से मुक्त है। इस अवसर पर जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर निदारिया, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शुजालपुर प्रकाश कस्बे, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती सुषमा भदौरिया, तहसीलदार कालापीपल रमेश सिसौदिया, जनपद पंचायत सीईओं शाजापुर बीएल वर्मा, नितीन भट्ट, श्रीमती विष्णुकांता गुप्ता तथा सिद्धगोपाल वर्मा, शुजालपुर चिकित्सालय प्रभारी डॉ. राजेश तिवारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

चार पहिया वाहन से अवैध देसी शराब की तस्करी करते तीन आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)/बोड़ा

अवैध एवं जहरीली शराब के विरुद्ध कार्रवाई करने हेतु प्राप्त दिशा निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनकामना प्रसाद एवं नरसिंहगढ़ एसडीओपी भारतेंदु शर्मा के मार्गदर्शन में बोडा की पुलिस टीम ने अवैध शराब की तस्करी करते तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, कुछ व्यक्ति एक स्लेटी कलर की कार एमपी 37 सी 4298 में अवैध शराब का परिवहन कर रहे है। मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस टीम ग्राम पिपलिया रसोडा पहुंची, तभी कड़िया जोड से एक स्लेटी रंग की कार आते दिखाई दी, जिसे घेराबंदी कर रोका, जिसमें तीन व्यक्ति बैठे थे। कार में बैठे युवको का नाम-पता पूछा तो ड्राइवर की सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम अर्जुन शर्मा (39) व साथ में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम आत्माराम मालवीय (36) निवासी ग्राम सेमली खुर्द थाना मंडी जिला सीहोर व पीछे सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम दीपक सिरमोरिया (24) निवासी न्यू मल्टी, ईदगाह हिल्स थाना शाहजहानाबाद का होना बताया। कार की तलाशी में खाकी रंग के 12 कार्टून मिले, जिसमें अवैध देसी मसाला शराब कुल कीमती 54 हजार रुपए की होना पाई गई। उक्त व्यक्तियों से शराब के कार्टून के संबंध में दस्तावेज और परमिट का पूछने पर कोई वैध परमिट नहीं होना बताया। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 102/21 धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम का मामला पंजीबद्ध कर उक्त अवैध शराब, परिवहन करने वाले वाहन सहीत कुल 7 लाख 54 हजार की मशरूका जप्त की।

कोरोना संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विभाग सुस्त, 5 दिनों में आ रही कोरोना की रिपोर्ट

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)

तहसील में मौजूदा स्वास्थ्य् अमला कोरोना संक्रमितों के उपचार को लेकर पूरा ध्वस्त हो चुका है। अस्पताल का आलम यह है कि, कोरोना पॉजीटिव तो ठीक अन्य छोटी-मोटी बीमारी का इलाज भी सही से नहीं मिल पा रहा है। अब बढ़ते बोझ का आलम यह है कि, होम आइसोलेट मरीजों की भी ठीक से निगरानी नहीं हो पा रही है। होम आइसोलेट मरीजों का कहना हैं कि, हमें जब से आइसोलेट करके गए तब से अभी तक कोई सुध लेने वाला नहीं आया न ही कोई मेडिकल किट उपलब्ध हुई। कई होम आइसोलेट मरीज व उनके परिवारजन घरों से बाहर घूमकर संक्रमण बढ़ा रहे हैं। यहीं वजह है कि, 17 दिन के कोरोना कर्फ्यू का भी अभी तक कोई फायदा दिख नहीं रहा है। प्रतिदिन भानपुरा तहसील में मरीज मिलने का सिलसिला जारी है। इलाज का अभाव तो ठीक अब तो ऑक्सीजन भी नहीं है। भानपुरा अस्पताल में भाजपा नेता द्वारा 14 सिलेंडर दान दिए थे। वो सिलेंडर उस दिन से आज तक नजर नहीं आए न किसी के काम आए। अगर कोराना मरीज की रिपोर्ट की बात करे तो कई मरीजों की रिपोर्ट तो 5 दिन तक नहीं आ रही है ओर जब परिवार का सदस्य रिपोर्ट के लिए जाता है तो किसी लिंक पर देख कर पॉजीटिव या नेगेटिव बताया जाता है। अब सवाल ये कि, अगर परिवार का कोई भी सदस्य रिपोर्ट लेने अस्पताल नहीं जाए ओर मरीज पॉजिटिव हो, तो वह कितने लोगों को पॉजिटिव करेगा। सिस्टम इतना ध्वस्त हो चुका है कि, अब उस से कोरोना की जांच कराने आ रहे मरीजों की समीक्षा भी नहीं हो रही। वहीं 3 दिन तक रिपोर्ट नहीं आने पर मरीज खुद को नेगेटिव मानकर लोगो से संपर्क में आ रहे है। जब की प्रशासन का जिम्मेदारी है कि, 3 दिन में रिपोर्ट नहीं आई तो उसका कारण जाने ओर अगर सेंपल फैल हो गया हो तो दोबारा जांच करे। मगर अफसोस कोई जिम्मेदार हो तो जिम्मेदारी का पालन करे। खेर खुशी की बात है कि, अनिल नाहर मित्र मंडल व्हाट्सअप ग्रुप में एक मुहिम शुरू हुई और वो धीरे-धीरे कई व्हाट्सअप ग्रुप में भी पहुंची, कई लोग व संस्थाएं जागरूक होकर आगे आ रहे है। जल्द ही सभी के सहयोग से पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन के संसाधन होगे। साथ ही डॉक्टर शालिनी भाटी अब स्वास्थ्य विभाग भानपुरा में अपनी सेवा देगी।

समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने में किसानों की रुचि नहीं, भुगतान में भी हो रही देरी

माही की गूंज मंदसौर, साहील आगवान

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी को जिले में किसानों का समर्थन प्रारंभ से ही नहीं मिल रहा है। इसी के चलते खरीद शुरू होने के 37 दिन बाद भी पंजीयनधारी आधे किसानों ने भी गेहूं नहीं बेचे हैं, जबकि एसएमएस लगभग 90 प्रतिशत से अधिक किसानों के पास पहुंच गए हैं। जिले में समर्थन पर गेहूं खरीदी का जितना लक्ष्य तय किया गया है, उसकी तुलना में आधी खरीदी भी नहीं हुई है। इसी स्थिति को देख अब गेहूं खरीदी की अंतिम तारीख बढ़ाई गई है। पहले 5 मई गेहूं खरीदी की अंतिम तारीख निर्धारित की गई थी, अब इसे बढ़ाकर 15 मई की गई है, ताकि सभी पंजीयनधारी किसान अपने गेहूं बेच सके और जिले में निर्धारित लक्ष्य की भी पूर्ति हो सके। वहीं चना, मसूर और सरसो बेचने में भी किसानों की रूचि कम ही बनी हुई है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना, सरसों और मसूर की खरीदी 27 मार्च से प्रांरभ हुई थी। लेकिन समर्थन पर गेहूं सहित सभी उपज बेचने में किसानों की रूचि बहुत कम है। शुरू से ही खरीदी केंद्रों पर सन्नााटा ही पसरा हुआ है। खरीदी शुरू होने के 37 दिनों में कुल 33 हजार 845 किसानों को एसएमएस कर गेहूं विक्रय के लिए बुलाया गया। लेकिन जिलेभर के 64 खरीदी केंद्रों पर अब तक कुल 11 हजार 796 किसानों ने ही गेहूं विक्रय किए है। जितने किसानों ने इस साल समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए पंजीयन करवाया है, उसमें से एसएमएस 90 प्रतिशत से अधिक किसानों तक पहुंच गए है। लेकिन अभी तक आधे किसानों ने भी गेहूं नहीं बेचे है। पिछले साल जिले में 2.80 लाख मीट्रिक टन गेहूं की रिकॉर्ड खरीदी हुई थी। इस साल बारिश कम होने से जिले में गेहूं का उत्पादन कम हुआ। इसके कारण इस साल कुल 36 हजार 607 किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए पंजीयन करवाया था। लेकिन है। इसी को देखते हुए गेहूं खरीदी की अंतिम तारीख 5 मई से बढ़ाकर 15 मई की गई है। इस साल जिले में आपूर्ति निगम द्वारा 1.60 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। लेकिन अब तक 11 हजार 796 किसानों से 62 हजार 270 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी हुई हैं।

भुगतान में हो रही देरी

जिले में समर्थन मूल्य पर अब तक हुई 62 हजार 270 मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का भुगतान किसानों को कुल 114 करोड़ रुपए मिलना है। लेकिन अब तक जिले में किसानों को 78 करोड़ 76 लाख रुपए का भुगतान ही हो पाया है। अभी भी किसानों को करीब 35 करोड़ रुपए का भुगतान बकाया है। वहीं चना, मसूर और सरसों की खरीदी भी बहुत ही धीमी गति से चल रही है। जिला विपणन अधिकारी जेनिफर खान ने बताया कि, अभी तक कुल 622 किसानों से 970 मीट्रिक टन चना की खरीदी हुई है।

आपूर्ति निगम मंदसौर के प्रबंधक डीके शर्मा ने बताया कि, जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए 64 केंद्रो पर अब तक 10 हजार 796 किसानों से 62 हजार 270 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी हो चुकी है। अब तक कुल 33 हजार 845 किसानों को एसएमएस पहुंच चुका है। गेहूं खरीदी की अंतिम तारीख पहले पांच मई घोषित थी, अब इसे बढ़ाकर 15 मई की गई है। खरीदी केंद्रों पर किसान कम ही पहुंच रहे है। इस साल गेहूं खरीदी का लक्ष्य 1.60 लाख मीट्रिक टन निर्धारित है।

ग्राम पंचायत सचिव हुरजी कटारा द्वारा 45 प्लस का टीका मिडिल स्कूल काकनवानी में शुरू करवाया गया, काकनवानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर बबेरिया ने 20 लोगों का वैक्सीन डोज मंगवाया था जो पूरा हो गया है।

कलेक्टर की कठोरता ला रही है रंग, अनुपस्थित कर्मी उपस्थित होने लगे है

माही की गूंज, बड़वानी

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के सख्त रूख के चलते अकारण अपने आपको होम क्वारंटाइन बताने वाले कर्मियों में भय व्याप्त है। उन्हे मिल रहे सख्त कार्रवाई के नोटिस के उपरांत उनमें से कई लोगों ने अपनी ड्यूटी ज्वाईन करने की मंशा दर्शाई है। कलेक्टर ने भी इन लोगों की अनुपस्थिति का वेतन काटते हुए अविलंब ड्यूटी ज्वाईन करने का निर्देश दिया है। अन्यथा की स्थिति में आपदा प्रबंधन की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

इन कर्मियों को मिला था शोकाज नोटिस

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने अपने पदीन दायित्वों से बिना किसी आधार के अनुपस्थित रहने वाले सीएचओ खुरमपुरा सुरेश सोलंकी, कालापानी बलवीरसिंह सोलंकी, घटवा अमित कुमार डाबी, जिला चिकित्सालय के ओटी अटेण्डर शिवराम चैहान एवं प्रकाश सोनी, वार्ड बाय लीलाधर यादव एवं विजय कलोसिया, आया अनिता मण्डलोई, मोनिका निमाड़े, प्रेमलता नामदेव को शोकाज नोटिस जारी किया था। जिस पर सीएचओ खुरमपुरा, ओटी अटेण्डरों एवं वार्ड बाय, आया बाई द्वारा तत्काल अपने कर्तव्य पर उपस्थित होने की सूचना दी गई है। वही घटवा के सीएचओ ने अपने परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक हो जाने पर उपस्थित होने का निवेदन किया है। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि, उक्त कर्मियों के अनुपस्थित दिवस का वेतन काटते हुए अविलंब ज्वाइनिंग करवाई जाए। साथ ही कलेक्टर ने उक्त दोनों पदाधिकारियों को पुनः चेताया कि, यदि निरीक्षण के दौरान अन्य कोई कर्मी भी अनुपस्थित पाया जाएगा तो इसकी जिम्मेदारी उनकी होगी और इसके लिए वे दोनो भी जिम्मेदार माने जाएगे।

जोबट नगर परिषद् ने आम्बुआ में करवाया सेनीटाइजर का छिड़काव

माही की गूंज, आम्बुआ

क्षेत्र में इन दिनों कोरोना महामारी का तांडव जारी है, जिससे आम्बुआ भी अछूता नहीं रह गया है। जोबट नगर परिषद् की संवेदनशील अध्यक्षा तथा भाजपा नेता दीपक चौहान द्वारा पहल करते हुए आम्बुआ में सेनीटाइजर का छिड़काव करवाया गया। साथ ही अंशुल विद्या मंदिर जोबट द्वारा ऑक्सीजन गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया गया। जैसा की विदित है, चारों ओर कोरोना महामारी की त्राषदी मे नागरिक पिस रहे हैं। वायरस के फैलाव को रोकने हेतु नगर परिषद् परिषद जोबट की अध्यक्षा एवं पूर्व अध्यक्ष दीपक चौहान ने सोमवार को आम्बुआ में सैनिटाइजर का छिड़काव कराया ताकि वायरस के हवा फैल रहे संक्रमण को रोका जा सके। दीपक चौहान ने दूरभाष पर हमारे प्रतिनिधि को बताया कि, उनकी संस्था ने ऑक्सीजन के गैस सिलेंडरों की व्यवस्था की है, जिस किसी मरीज को जान का खतरा हो तथा गैस उपलब्ध न हो तो वह तत्काल संपर्क कर सिलेंडर ले जाए। क्षेत्र में यह पहल इनकी संस्था द्वारा जनहित में किए जाने से राहत भरी खबर कही जा सकती है। आम्बुआ के नागरिकों ने नगर परिषद जोबट अध्यक्षा तथा दीपक चौहान का आभार माना है।

कोई भूखा न सोए इसलिए शाम को कर रहे हैं भोजन वितरण

माही की गूंज, खरगोन

प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे ÷मैं भी कोरोना वॉलेंटियर अभियान÷ के सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। कोरोना वालंटियर अपने विवेक से अपने आप को सुरक्षित रखते हुए समाज को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न गतिविधियां व कार्य कर रहे हैं। जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रीय ने बताया कि, कोरोना वॉलेंटियर अल्केश राठौर और उनके साथी वैभव पंड्या, पंकज शर्मा, अंकित पाटीदार, पवन पाटीदार, प्रकाश मंडलोई, राधेश्याम पाटीदार आदि आपस में राशि एकत्र कर जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों एवं उनके अटेंडरों के लिए भोजन पैकेट का निर्माण कर रहे हैं। भोजन बनाने का कार्य नंदगांव बगुद में किया जा रहा है। वहां से प्रतिदिन कार में 200 पैकेट भोजन शाम को जिला चिकित्सालय में वितरित कर रहे है। अल्केश राठौर और उनकी टीम का मानना है कि, सुबह तो अन्य संस्थाएं भी भोजन वितरित कर रही है इसलिए वे लोग शाम को भोजन दे रहे हैं।

इसी प्रकार वार्ड 27 में आरिफ खान और उनके साथी खिचड़ी वितरण कर रहे हैं। मुस्लिम बहुल क्षेत्र करीम नगर, संजय नगर में लॉकडाउन के चलते कई परिवारों की रोजी-रोटी बंद हो गई है। इसको देखते हुए आरिफ खान ओर उनके साथी जरूरतमंद परिवारों में भोजन की व्यवस्था करने में लगे हुए है। कोरोना वॉलेंटियर भानुप्रिया कानूनगों द्वारा अपने से जुड़े परिवारों को प्रतिदिन हवन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हवन में जो सामग्री की आहुति दी जा रही है उसमें लौंग, कपूर वह अन्य आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य वॉलेंटियर ग्रामीण क्षेत्रों में भी पोस्टर गांव में चिपकाकर और अन्य गतिविधियां कर लोगों को अधिक से अधिक टीका लगवाने व कोरोना से बचने के तरीकों की जानकारी दे रहे हैं।

जिसके कारण गर्भवती महिला का ऑक्सीजन लेवल बिना स्टेरॉयड के ले आए 94 पर

माही की गूंज, बड़वानी

कोरोना के भय से जब अच्छे से अच्छे डॉक्टर, रोगियों को देखने से डर रहे है। ऐसे में जिला चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर में रात-दिन कोरोना प्रभावित के उपचार में सलंग्न डॉ. अनुपम बत्रा ने, ईएनटी में 7 माह की गर्भवती महिला को बिना स्टेरॉयड दिए उसके ऑक्सीजन लेवल को 85 प्रतिशत से बढ़ाकर 94 प्रतिशत पर पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है। इसके कारण मां के साथ-साथ उनके गर्भ में पल रहा बच्चा भी पूरी तरह से स्टेरॉयड के संभावित दुष्परिणामों की आशंका से पूरी तरह मुक्त है।

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. अनुपम बत्रा बताते हैं कि, उन्हें ट्रामा सेंटर में भर्ती होने वाले रोगियों के उपचार की जिम्मेदारी दी गई है। ऐसे में जब एक 7 माह की गर्भवती महिला को कोरोना के मद्देनजर उपचार हेतु भर्ती किया गया था तब उनकी अवस्था के मद्देनजर उन्हें स्टेरॉयड दवा देना खतरे से खाली नहीं था। क्योंकि इस दवा का साइड इफेक्ट उनके अजन्मे बच्चे पर भी पड़ने की आशंका से कोई भी इंकार नहीं कर सकता था। ऐसे में उन्होंने अपने ईएनटी में दक्षता का उपयोग महिला एवं उनके अजन्मे बच्चे को भाप के माध्यम से महिला को ''मेडयलेने-ब्लू'' प्रारंभ किया। जिसके कारण कुछ ही दिनों में महिला के नाक और फेफड़े में हुआ इंफेक्शन कम होने लगा। जिससे अब महिला का ऑक्सीजन लेवल 85 से बढ़कर 94 प्रतिशत हो गया है। जिसके कारण वह तेजी से स्वस्थ हो रही है और अगर यही स्थिति बनी रही तो उसे एक-दो दिन में ट्रामा सेंटर से घर जाने की इजाजत दे दी जाएगी।

पं. बंगाल में हुई हिंसा के चलते भाजपा कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया

माही की गूंज, आलीराजपुर

भाजपा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिला कार्यालय पर नगर मंडल के द्वारा पश्चिम बंगाल में टीएमसी के गुंडों के द्वारा भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्या मारपीट महिला कार्यकर्ताओं पर बलात्कार जैसी शर्मनाक घटनाओं के विरोध में धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम पूर्व जिला अध्यक्ष किशोर शाह तथा नगर मंडल अध्यक्ष रिंकेश तवर के नेतृत्व में हुआ। धरने में टीएमसी सरकार और टीएमसी के गुंडों की निंदा करते हुए कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। कोरोना काल को देखते हुए मात्र 10 से 15 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ही सुनिश्चित की गई थी, धरना कार्यक्रम के पश्चात श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें जिले के भाजपा कार्यकर्ता मनोहर जैन, वनराज भाई कट्ठीवाड़ा, दूरसिंह भाई, सरपंच छकतला नंदू भाई, डूंगर भाई, परसु भाई, रगन भाई, रमेश भाई और भी भाजपा के अन्य कार्यकर्ता जो इस कोरोना संक्रमण से अपनी जान गवाई और जिले के अन्य लोग जिसने भी कोरोना संक्रमण से अपनी जान गवाई हैं ऐसे समस्त जन को श्रद्धांजलि देकर धरने का समापन किया गया। इस धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रितेश डावर, पार्षद कांति राठौर, किशन राठौर, मोंटू शाह, मेहुल जैन, निखिलेश गोस्वामी, जितेन राठौर, राजेश भाई आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने कोराना जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

माही की गूंज, बड़वानी

बड़वानी विकासखण्ड के ग्रामो मे कोविड-19 टीकाकरण करवाने व कोराना जागरूकता संबंधी रथ को जिला पंचायत सीईओ ऋतुराजसिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ ने विश्वास व्यक्त किया कि, सेव द चिल्ड्रन संस्था द्वारा संचालित परियोजना ट्रैप्ड इन कॉटन के तहत कोविड-19 टीकाकरण व कोरोना जागरूकता के प्रचार-प्रसार मे यह रथ उपयोगी सिद्ध होगा।

इस अवसर पर जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य सचिन दुबे ने कहा कि, कोराना त्रासदी के दौरान समुदाय मे जागरूकता का बेहद आभाव है और सेव द चिल्ड्रन संस्था द्वारा जो यह रथ बड़वानी जिले के 50 गॉवो मे भ्रमण करेगा इससे समुदाय मे जनजागृती के वातावरण का निर्माण होगा। साथ ही वैक्सीनेशन को लेकर जो समुदाय मे भ्रांतिया बनी है उन्हे दूर करने मे सहायता प्रदान करेगा।

चाईल्ड लाईन की जिला समन्वयक श्रीमति ललीता गुर्जर ने कहा कि, सेव द चिल्ड्रन का यह प्रयास अनुठा है। इससे समाज मे फैली भ्रांतिया दूर होगी और जागरूकता के वातावरण का निर्माण होगा। इसी अवसर पर सेव द चिल्ड्रन के परियोजना समन्वयक मनीष गुप्ता ने उपस्थितो को बताया कि, इस रथ के माध्यम से हम जिले मे अधिक से अधिक कोविड-19 टीकाकरण करवाने मे सफल होगे और लोगो को इस महामारी के संबंध मे जागरूक करने का प्रयास करेंगें।

18 वर्ष से अधिक उम्र के तहत अपना वैक्सीनेशन कराने हेतु युवा लग गए समय से पहले लाईन में

माही की गूंज, बड़वानी

जिले में भी बुधवार से 18.लोगों का कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य, जिला मुख्यालय पर बनाए गए केन्द्र पर प्रारंभ हुआ। प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होने वाले इस वैक्सीनेशन के लिए युवाओं में अत्यधिक जोश देखने को मिला। समय से पहले ही केन्द्र पर पहुंचकर कई युवा सोशल डिस्टेंस को ध्यान रखते हुए लाईन में लग गए थे। किन्तु सर्वप्रथम वैक्सीनेशन कराने का अवसर मिला लाईन में सबसे आगे लगे पति, पत्नि एवं उनकी भाभी को। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने भी वैक्सीनेशन केन्द्र पहुंचकर निरीक्षण किया। वही युवाओं से चर्चाकर उनके जोश की प्रशंसा की और विश्वास व्यक्त किया कि, इसी जोश के चलते, हम जल्दी से जल्दी अपने जिले को कोरोना मुक्त करा पाएगे। वैक्सीनेशन प्रारंभ होने के प्रथम दो घंटे में ही 60 युवाओं ने एवं दोपहर 4 बजे तक 97 युवाओं ने अपना वैक्सीनेशन करवा लिया था। जबकि प्रथम दिन प्रातः 9 से शाम 5 बजे तक चलने वाले इस वैक्सीनेशन हेतु 100 युवाओं को ही वैक्सीनेशन कराने की सूचना एसएमएस के माध्यम से भेजी गई थी।

सीसी सेंटर में 5 पंखे किए प्रदान

माही की गूंज, खरगोन

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोगावां में बुधवार को 16 बिस्तरों वाले सीसी सेंटर के लिए शुभम पिता शंकरलाल वर्मा द्वारा 5 स्टेंड पंखे प्रदान किए गए। वहीं रोटरी क्लब खरगोन द्वारा 3 पल्स ऑक्सीमीटर, 500 सर्जिकल मास्क व 5 लीटर सेनिटाईजर प्रदान किया गया। इस अवसर पर बीएमओ डॉ. दीपक वर्मा, सीसी सेंटर के नोडल ऑफिसर डॉ. पार्थ रत्नपारखी उपस्थित रहे।

पुलिस विभाग द्वारा लगातार की जा रही है कार्रवाई

माही की गूंज, खरगोन

कोरोना कर्फ्यू की अवधि में जिले के समस्त थानों द्वारा 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक की अवधि में धारा 188 भादवि के अंतर्गत 558 प्रकरणों में 646 आरोपियों पर, अनावश्यक घर से बाहर घुमने वाले 1 हजार 768 लोगों को अस्थाई जेल में रखा गया। वहीं सार्वजनिक स्थान पर बिना मास्क के घुमने वाले 12 हजार 339 व्यक्तियों पर कार्रवाई कर 8 लाख 18 हजार 716 रूपए की चालानी राशी वसूल की गई। मोटर व्हिकल एक्ट में 2 हजार 701 लोगों पर कार्यवाही कर 4 लाख 68 हजार 407 रूपए की चालानी राशी वसूल की गई। इसी तरह आवश्यक वास्तु अधिनियम के अंतर्गत 1 प्रकरण पंजीबद्ध कर 3 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जिले की सीमओं पर 25 स्थानों पर चेक पोस्ट लगाए गए है, जहां अन्य जिलों से आने वाले वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है।

कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं एसपी श्री विजय भागवानी ने जोबट क्षेत्र का दौरा कर मैदानी स्थिति का जायजा लिया

नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति का जायजा लेकर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

माही की गूंज, अलीराजपुर

कोरोना संक्रमण की चैन को तोडने के मद्देनजर जिलेभर में लागू कोरेना कर्फ्यू के प्रभावी क्रियान्वयन तथा मैदानी स्तर की स्थिति का जायजा कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय भागवानी ने लिया। कलेक्टर श्रीमती गुप्ता एवं एसपी श्री भागवानी ने जोबट एवं अन्य ग्रामीण इलाकों का दौरा करते हुए कोरोना कर्फ्यू के तहत प्रतिबंधात्मक दिषा निर्देशों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आम्बुआ में कोरोना कर्फ्यू की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यहां से बोरझाड होते हुए जोबट नगर में कोरोना कर्फ्यू की व्यवस्थाओं का देखा तथा मैदानी स्तर पर कोरोना कर्फ्यू का प्रभावी क्रियान्वयन कराए जाने के दि निर्दे भी दिए। अनावश्यक रूप से घरों से निकले वाले व्यक्तियों को रोका जाए। इसके लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने मैदानी स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारियो को निर्दे दिए कि प्रासन का उद्देय कोरोना संक्रमण की चैन को तोडते हुए स्थितियों को जल्द से जल्द सामान्य कराना है। निरीक्षण के दौरान उन्होनें जोबट में अलग-अलग स्थानों पर व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान जोबट तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

घर पर रहकर 60 प्रतिशत लंग्स खराब किए, अस्पताल में आए स्वस्थ घर लौटे

माही की गूंज, खरगोन

जिला चिकित्सालय में चाहे मरीजों की तादाद बढ़ती ही जा रही है, इसके बावजूद स्वस्थ होकर घर लौटने वाले मरीजों की संख्या में भी इजाफा होने लगा है। सार्थक पोर्टल पर दर्ज जानकारी के अनुसार अप्रैल माह में जिला अस्पताल में 220 मरीजों को भर्ती किया गया था। उनमें से अब तक 119 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। कुछ ऐसे मरीज भी है, जो माह के अंतिम सप्ताह में भर्ती हुए थे, उनका इलाज अभी जारी है। जिला अस्पताल में 16 अप्रैल को बड़वाह के अहिल्यापुरी के 45 वर्षीय राजेंद्र मालाकार दयनीय हालत में पहुंचे थे। वे 4 दिन बुखार, खांसी, कमजोरी के साथ घर पर ही रहे जब श्वास लेने में ज्यादा तखलीफ होने लगी तो वे दादा दरबार अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां के डॉक्टरों ने जिला अस्पताल खरगोन ले जाने की सलाह दी। उनकी पत्नी निराश होकर जिला अस्पताल ले आई। यहां आने के बाद ऑक्सीजन के साथ व्यवस्थित इलाज होता रहा। जब उनका सीटी स्केन कराया तो 60 प्रतिशत लंग्स इंफेक्शन होने के बावजूद डॉक्टरों ने हिम्मत नही हारी और लगातार उपचार करते रहे। आखिरकार डॉक्टरों का इलाज असर किया और 1 मई को पति को लेकर पत्नी घर लौटे।

कोरोना प्रभारी मंत्री श्री डंग ने भोजन की व्यवस्था का लिया जायजा

माही की गूंज, खरगोन

विगत 24 दिनों से सुचारू रूप से चल रही भोजन की व्यवस्था को देखने कोरोना प्रभारी मंत्री हरदीप सिंह डंग अचानक पहुंचे। अपना प्यारा वाट्सअप ग्रुप परिवार और खालसा की फौज के द्वारा विगत 24 दिनों से दीनदयाल रसोई में भोजन बनाया जाकर नगरपालिका के माध्यम से वितरित किया जा रहा है। कोरोना प्रभारी मंत्री श्री डंग ने भोजन की व्यवस्था पूर्व में भी देखी और वर्तमान में देखकर अद्भुत हुए कि, आपके द्वारा बेहतरीन तरीके से यह मानव सेवा की जा रही है। वही उनके द्वारा पैकेट्स वितरण का कार्य की व्यवस्था भी देखी और सभी ग्रुप के साथियों को इस प्रेरणादायक कार्य के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान क्षेत्रीय सांसद श्री गजेंद्र पटेल ने भी इस कार्य की सराहना करते हुए इस सेवा कार्य में लगे हुए सभी साथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक बाबूलाल महाजन, ग्रुप के दीपक अग्रवाल, शंकर मीणा, संजय रघुवंशी, प्रफुल्ल डोंगरे, दीपक पटेल, महेंद्र सिंह चौहान, परविंदर सिंह चावला, दिनेश पाटीदार, आशीष गुजराती, अमित शिकारी आदि मौजूद रहे।

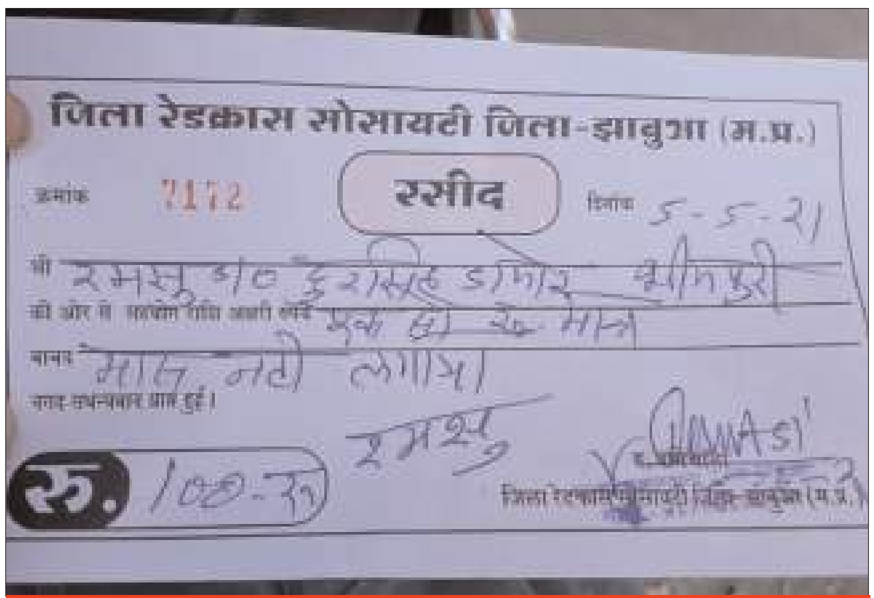

काकनवानी में बिना मास्क के घूम रहे लोगों का, दो व चार पहिया वाहन वालों से पुलिस द्वारा जिला रेडक्रास सोसाइटी जिला झाबुआ के नाम की 100 रूपए की रसीद काटी जा रही है।

प. बंगाल में हुई हिंसाओं के विरुद्ध भाजपा मंडल स्तरीय धरना प्रदर्शन किया

नेताओं की अनदेखी के कारण भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी आई सामने, सांसद से भी खफा कार्यकर्ता

माही की गूंज, झाबुआ। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा अपने आतंक का परिचय देकर की जा रही हिंसा व भाजपा कार्यालयों में आगजनी के साथ कईयों को मौत के घाट उतार दिया। जिसको लेकर 5 मई को प्रदेश व्यापी मंडल स्तरीय पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के द्वारा की गई हिंसक वारदातों को लेकर भाजपा का विरोध प्रदर्शन कोविड-19 के पालन के साथ भाजपा प्रादेशिक संगठन के निर्देशन में झाबुआ जिले के साथ ही आस-पास के जिलों में भी धरना प्रदर्शन किया गया।

माही की गूंज, मेघनगर। पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसक घटनाओं को लेकर देशव्यापी धरना प्रदर्शन मेघनगर में भी किया गया। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा के कार्यकर्ता और संघ के कार्यकर्ताओं पर हमला किया ओर महिलाओं पर बलात्कार एवं लूट जेसी घटनाएं आज पश्चिम बंगाल में हो रही है। इसी को लेकर मेघनगर में डाक बंगले पर 10 से 15 भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर घोर निंदा की और विरोध किया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व सरकार के खिलाफनारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान कोविड-19 गाईडलाइन का पालन किया गया। उक्त धरने में जिला महामंत्री प्रफुल्ल गादिया, मंडल महामंत्री सचिन प्रजापति, किसान मोर्चा अध्यक्ष अनोखीलाल प्रजापत, प्रेम बसोड़, अनु बामनीया, विक्की ठाकुर, भाविक बारोट, मनीष डामोर, ककल डामोर, बंटी सिसोदिया आदी कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

माही की गूंज, कुंदनपुर। प. बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की गुंडागर्दी और बढ़ती तानाशाही के खिलाफ कोरोना गाईडलाइन को ध्यान में रखते हुए कुंदनपुर में भाजपा मण्डल ने धरना प्रदर्शन कर अपना विरोध प्रकट किया। धरना प्रदर्शन में राणपुर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति सुनीता गोविन्द अजनार ने प. बंगाल में राष्ट्पति शासन लागू कराने की मांग की। उक्त धरना प्रदर्शन में भाजपा के मण्ड़ल अध्यक्ष भारतसिंह मैड़ा, मण्डल मीडिया प्रभारी कृष्णपाल सिंह ठाकुर, मण्डल महामंत्री जितेन्द्र पंचाल, मानसिंग गोहिल, मण्डल उपाध्यक्ष नरेंद्र नायक, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद अजनार, कुंदनपुर सरपंच नरू मच्छार, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष मांगीलाल डामोर, कार्यालय मंत्री अनिल राठौड़, कार्यकर्ता विनोद सिंगाड़, बाबु गोयल, रामा गणावा आदि उपस्थित थे।

माही की गूंज, मदरानी। पश्चिम बंगाल में टीएमसी की जीत के बाद ममता बनर्जी के इशारे पर टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ राजनीतिक द्वेस्ता के चलते लोकतंत्र का दुरुपयोग कर भाजपा कार्यकर्ता की निर्मम हत्या कर रहे हैं और मिली जीत का दुरुपयोग है। उक्त बात भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुकेश मेहता ने कही। श्री मेहता ने बताया कि, इस तरह की राजनीति टिएमसी से कार्यकर्ता बजा आए। टिएमसी के विरोध में मदरानी मंडल द्वारा सांकेतिक धरना देकर विरोध किया है। धरने के माध्यम से हम केन्द्र सरकार से मांग करते कि, प. बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। धरने में मण्डल अध्यक्ष सेवा डामोर, महामंत्री दशरथ घोती, अजजा अध्यक्ष कमलसिंह हांडा, दिपसिह गुण्डीया, पन्नासिह झाड़, तकेसिह घोती, बाबु गणावा, रमसु पारगी, अल्केश कछोटीया आदि उपस्थित रहें।

माही की गूंज, सारंगी। पश्चिम बंगाल में चुनाव जीतने के बाद टीएमसी के कार्यकर्ताओं द्वारा ममता बनर्जी के आंखों के सामने भाजपा के कार्यकर्ताओं को मारा जा रहा है, काटा जा रहा है व दुकानें लूटी जा रही है। भाजपा कार्यकर्ताओ को मार दिया गया है साथ ही महिला कार्यकर्ता के साथ बलात्कार कर मार दिया गया। जिसके विरोध में सारंगी भाजपा मंडल ने सांकेतिक धरना दिया, वही धरने के दौरान कोरोना गाईडलाइन का पालन किया गया। धरने में मंडल महामंत्री भमरसिंह गैहलोद, सारंगी सरपंच फुन्दिबाई मैडा, युवा मोर्चा जिला महामंत्री जितेंद्र गेहलोद, बाबुलाल पाटीदार, गंगाखेडी सरपंच प्रकाश सोलंकी, रजनीश पाटीदार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माही की गूंज, कालीदेवी। भारतीय जनता पार्टी मंडल रामा द्वारा आज धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें बंगाल में हुयी हिंसां एंव भाजपा कार्यकर्ता की हत्या के संन्दर्भ में भारतीय जनता पार्टी मंडल रामा द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया भारतीय जनता पार्टी जिला झाबुआ के जिला उपाध्यक्ष अजय जी पोरवाल द्वारा बताया गया कि हम बंगाल में चुनाव के बाद जो हमारे कार्यकर्ता की हत्या हुयी है एंव हिंसा फैलायी गयी है उसका हम विरोध करते है। यह घटना काफी शर्मसार है। इस विरोध प्रदर्शन में छापरी संरपच एंव सांसद प्रतिनिधी दिनेश जी अमलीयार भारतीय जनता पार्टी मंडल रामा में अध्यक्ष किशन भुरीया जिला महामंत्री मदन जी भुरा दुधी खेडा संरपच तोलीया जी वसुनीया कालीदेवी संरपच लालसीह गामड जनपद सदस्य वरसीह भुरीया युवा नेता सुनील जी भुरीया रामा मंडल कोविड प्रभारी मुनसीह जी परमार उपस्थित थे।

माही की गूंज, खवासा। भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देशन में बुधवार को पश्चिम बंगाल में टीएमसी कार्यकर्ताओं के हिंसक प्रदर्शन का विरोध करते हुए बस स्टैंड के समीप 2 टेंट लगा कर सामाजिक दूरी के साथ मंडल अध्यक्ष तोलसिह गणावा के नेतृत्व में विरोध स्वरूप धरना प्रदर्शन किया गया। उक्त धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से थांदला जनपद उपाध्यक्ष राजेंद्र भगत, मंडल महामंत्री देवीसिंह देवदा, कमल चावड़ा, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष अनार सिंह डाबी, मंडल उपाध्यक्ष कांतिलाल भटेवरा, रामसिंह पालरा के साथ प्रकाश त्रिवेदी, मुकेश हांडी कुंडी, देवीसिंह मैड़ा, बहादुर आर्य, खवासा पंच प्रदीप सिसोदिया, जालू कटारा, ईश्वर कटारा, जिला महामंत्री व मंडल प्रभारी श्यामा ताहेड आदि उपस्थित थे। उक्त धरना प्रदर्शन के बाद मंडल कार्यालय पर जाकर मंडल अध्यक्ष तोलसिंग गणावा के साथ सभी कार्यकर्ताओं ने खवासा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता व खवासा मंडल उपाध्यक्ष कचरू मैड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित कर इस कोरोना काल में जिनकी भी असमय हुई मौत की दिवंगत आत्माओं को सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि देकर परमात्मा के श्री चरणों में स्थान प्राप्त हो, की प्रार्थनाएं की।

भाजपा से ही नाराज नेताओं ने जिला मंत्री ताहेड़ के आने के बाद दिया धरना

माही की गूंज, काकनवानी

बुधवार को जहां टिएमसी के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई हिंसक घटनाओं के विरोध में प्रदेश व्यापी भाजपा मंडल स्तरिय विरोध प्रदर्शन स्वरूप धरना प्रदर्शन करना था, परंतु काकनवानी भाजपा मंडल ने प. बंगाल की टिएमसी के विरूद्ध कोई प्रदर्शन का आयोजन नहीं रखा था। माही की गूंज ने मंडल पदाधिकारी की नाराजगी टिएमसी के विरूद्ध कम पर अपने ही आला पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों के विरूद्ध अधिक नाराजगी देखी गई कारण चुनाव में वोट मांगते समय कई वादे करते है पर बाद में मुडकर नही देखते है। प्रदेश व केन्द्र में भाजपा की सरकार होने के बावजुद क्षेत्र में कोई सुविधा मुहेया विकास के नाम पर नही दी जा रही है की नाराजगी के साथ धराना प्रदर्शन का आयोजन नही रखा था।

फोन पर मंडल अध्यक्ष कमलेश डामोर ने गूंज को अपने नेताओ से नाराजगी के साथ बताया कि, क्षेत्र के आदिवासी अंचल में भाजपा के बैनर तले हम लोग वर्षों से काम करते आए हैं व चुनाव के वक्त हमारे नेता बड़े-बड़े वादे करते हैं, जिन वादों पर हम लोग मेहनत करके वोटिंग करवाते हैं, उन वादों पर हमारे नेता खरे नहीं उतरते हैं, जिस वजह से हमें गांव वालों की गालियां भी सुनना पड़ती है। खासकर अभी इस महामारी बीमारी के कारण कई लोग मर रहे हैं, जिनको उपचार की सख्त आवश्यकता है मगर हमारे नेता हमारे क्षेत्र में ध्यान नहीं दे रहे हैं, तो फिर हम इस कार्यक्रम में इन नेताओं का नाम ऊंचा रखने के लिए सहयोग क्यों करें? चुनाव होते ही सीट पर बैठने के बाद हमारे नेता कार्यकर्ताओं को अनदेखा कर देते हैं, कार्यकर्ताओं की हमेशा उपेक्षा होती आ रही है, हमें बार-बार धूतकार दिया जाता है। किसी प्रकार का कोई कार्य नहीं दिया जाता है, क्षेत्र मे पार्टी के लिए दिन-रात काम करते हैं और आज हम लोगों को हमारे नेताओं की जरूरत है तो हमारे नेता ही हमारे काम नहीं आ रहे हैं लोग बीमारी से जूझ रहे हैं हमारे नेता बंगलों में आराम कर रहे हैं। कह कर मंडल अध्यक्ष ने अपने नेताओं की वास्तविक्ताओं को बताया और नेता किस तरह इस महामारी के दोर में भी क्षेत्र में पिड़ित लोगो का ध्यान नही देकर नेता अपने बंगले में बैठे है कहा।

मंडल के महामंत्री राहुल पंचाल ने कहा कि, हमारे सांसद महोदय द्वारा किसी भी प्रकार का हमें सहयोग प्रदान नहीं हो पा रहा है, प्रदेश में सरकार हमारी है केंद्र में भी सरकार हमारी है, इसके बावजूद भी हमारे क्षेत्र में हमारे नेताओं द्वारा हमारे कार्यकर्ताओं की अनदेखी की जा रही है। पूरे क्षेत्र में लोग बीमारी से जूझ रहे हैं किसी भी प्रकार से कोई सहयोग नहीं मिल पा रहा है, जिस वजह से हमारे ग्रामीण के लोग एवं हमारे भाजपा मंडल के सभी कार्यकर्ताओं की नाराजगी है जिस वजह से काकनवानी भाजपा मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता इस प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन में शामिल नहीं हो रहे है और न ही हम किसी प्रकार का प्रदर्शन कर रहे है।

माही की गूंज से काकनवानी भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश डामोर से चर्चा के बाद हरकत में आया भाजपा जिला संगठन

तृणमूल कांग्रेस के खिलाफधरना प्रदर्शन का समय 12 बजे का रखा गया था, लेकिन कार्यकर्ताओं की नाराजगी के चलते कार्यक्रम नहीं करने का मन बना लिया गया था, जिसकी भनक भाजपा जिला संगठन तक पढ़ी उसके बाद संगठन हरकत में आया और करीब ढ़ाई बजे झाबुआ से भाजपा जिला महामंत्री श्यामा ताहेड़ खवासा होकर काकनवानी आए व दो-तीन कार्यकर्ता एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश डामोर से चर्चा कर धरना दिया गया।

भाजपा जिला महामंत्री जय माता हेड से चर्चा करने पर बताया कि सांसद के प्रति कार्यकर्ताओं की नाराजगी दिख रही है, सांसद 2 वर्ष से सांसद निधि नहीं मिलने पर किसी प्रकार का कोई सहयोग नहीं कर पा रहे हैं। सांसद का इस क्षेत्र में अगर दौरा होता है तो कहीं न कहीं यहां के लोगों को सहयोग देना होता है, लेकिन फंड नहीं होने के कारण क्षेत्र में अभी भी आना-जाना नहीं हो पा रहा है और कोई सहयोग नहीं कर पा रहे हैं। सांसद अभी संसद सत्र चलने के कारण कार्यकर्ताओं से नहीं मिल पा रहे हैं, इसी कारण से कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।

माही की गूंज, मंदसौर। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आदेश का पालन करते हुए मंदसौर भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने कोवीड़-19 की गाईडलाइन के साथ तृणमूल कांग्रेस द्वारा प. बंगाल में चुनाव के दौरान व चुनाव के बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं पर हुए हमले के विरोध में पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा मोन व तख्तियों पर स्लोगन लिखकर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया गया। भानपुरा भारतीय जनता पार्टी मंडल द्वारा भी विधायक कार्यलय पर धरना प्रदर्शन कर विरोध किया गया। धरने के दौरान मंडल अध्यक्ष अभिषेक मांदलिया, महामंत्री पिंटू प्रवेश परिहार व भाजपा के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकारों को फ्रंट लाइन वर्कर मानकर सम्मानित करे सरकार- विधायक पटेल

माही की गूंज, अलीराजपुर

नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकार बंधुओं को भी अधिमान्य पत्रकारों के साथ शामिल कर फ्रंट लाइन वर्कर मानकर सम्मानित करने की मांग को लेकर अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में विधायक पटेल ने बताया कि, वर्तमान में कोरोना के इस संकटकाल में विभिन्न शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकार बंधु अपने कार्यालय से बाहर धरातल पर पहुंचकर जान जोखिम में डालकर रिपोर्टिंग कर रहे है और सच्चाई को जन-जन तक पहुंचा रहे है। ये पत्रकार बंधु बिना भय के पूरी ईमानदारी के साथ जनहित का कार्य अधिमानय पत्रकार और फ्रंट लाइन वर्कर की भांति कर रहे है। इन्हें भी ऐसी विषम परिस्थिति में विशेष ध्यान देते हुए फ्रंट लाइन वर्कर मानकर सम्मानित किया जाए ताकि उन्हें हौंसला मिल सके और वे नई ऊर्जा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण निर्वहन कर सके।

एसडीएम ने कोविड केयर सेंटरों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, अलीराजपुर

कोविड केयर सेन्टर का प्रभावी और बेहतर ढंग से संचालन हो, जिससे यहां भर्ती होने वाले कोरोना पॉजिटीव व्यक्तियों को परेशानी का सामना न करना पडे तथा व्यवस्थाएं बेहतर और सुचारू ढंग से सम्पादित हो, इसके लिए एसडीएम सोंडवा देवकीनंदन सिंह ने सोमवार को कोविड केयर सेन्टर उमराली की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं अलीराजपुर जिला चिकित्सालय स्थिति कोविड आइसोलेषन वार्ड की व्यवस्थाओं का जायजा एसडीएम अलीराजपुर श्रीमती लक्ष्मी गामड ने लिया। औचक निरीक्षण करते हुए उन्होंने कोविड आइसोलेषन वार्ड एवं कोविड केयर सेन्टर की व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित मैदानी अधिकारियों को आवश्यक दिषा निर्देश दिए।

कलेक्टर व एसपी ने दौरा कर मैदानी स्थिति का लिया जायजा

माही की गूंज, अलीराजपुर

कोरोना संक्रमण की चैन को तोडने के मद्देनजर जिले में लागू कोरेना कर्फ्यू के प्रभावी क्रियान्वयन तथा मैदानी स्तर की स्थिति का जायजा कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी ने लिया। कलेक्टर श्रीमती गुप्ता एवं एसपी श्री भागवानी ने सोंडवा क्षेत्र में छकतला, उमराली, सोंडवा सहित अन्य ग्रामीण इलाकों में कोरोना कर्फ्यू के तहत प्रतिबंधात्मक दिशा निर्देशों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने छकतला से लगी गुजरात बार्डर पर चैक पाइंट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यहां उन्होंने चैक पाइंट

में आने-जाने वाले व्यक्तियों के स्वास्थ्य परीक्षण संबंधित व्यवस्था देखी। साथ ही मैदानी स्तर पर तैनात अधिकारी-कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ग्राम छकतला, उमराली में कोरोना कर्फ्यू के कडाई से पालन संबंधित निर्देश दिए। सोंडवा में अनुभाग स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए टीकाकरण, किल कोराना अभियान के तहत सर्वे, कोरोना कर्फ्यू का प्रभावी क्रियान्वयन सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम देवकीनंदन सिंह, तहसीलदार कैला सस्तिया, बीईओ रामानुज शर्मा सहित अन्य मैदानी अमला उपस्थित था।

कोरोना को लेकर ग्रामीण भीं जागरुक, स्वास्थ्य परीक्षण हेतु आ रहे आगे

माही की गूंज, अलीराजपुर

किल कोरोना अभियान के तहत मैदानी अमला घर-घर पहुचंकर ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण से बचाव और सुरक्षात्मक उपायों तथा कोरोना संभावित लक्षण पाए जाने वालों का स्वास्थ्य परीक्षण कराए जाने के लिए जागरूक करने के लगातार प्रयास कर रहा है। मैदानी अमले के प्रयास के सकारात्मक परिणाम भी मिल रहे है। ग्रामीणजन भी कोरोना संक्रमण की गंभीरता को समझते हुए कोरोना जांच के लिए आगे आ रहे है। नगरीय सहित ग्रामीणजन कोरोना संभावित लक्षण महसूस होने पर स्वास्थ्य जांच भी करा रहे है। जिले में नगरीय के साथ-साथ

ग्रामीणजन भी स्वास्थ्य विभाग टीम को कोरोना जांच के सेम्पल देने में सहयोग प्रदान कर रहे है। मैदानी टीम लगातार ग्रामीणों को कोरोना से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए कोरोना से बचाव हेतु टीकाकरण अनिवार्य रूप से कराए जाने का आह्वान करते हुए टीकाकरण को लेकर किसी भी तरह की अफवाह, भ्रम फैलाने वालों की बातों पर ध्यान नहीं देने की बात कही। साथ ही मैदानी टीम ने ग्रामीणों को कोरोना से बचाव हेतु मास्क लगाने, दो गज की दूरी का पालन करने तथा हाथों को थोडे-थोडे समय में साबुन अथवा सेनेटाइजर से साफ करने की बात बताते हुए संमजाइस दे रही है।

जागरूकता रथ कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु करेगा जागरूक

माही की गूंज, अलीराजपुर

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती संस्कृति जैन के दिशा निर्देशन में कोरोना संक्रमण की चेन को तोडने के लिए जागरूकता तथा टीकाकरण के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार के तहत जागरूकता रथ जिलेभर में घूमते हुए स्थानीय भाषा में जिलेवासियों को जागरूक करने का कार्य करेगा। दोपहिया जागरूकता रथ को सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जैन ने जिला पंचायत परिसर अलीराजपुर से जागरूकता कार्य हेतु रवाना किया। जिले में उक्त दोनों जागरूकता रथ अलग-अलग स्थानों पर भ्रमण करते हुए नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को कोरोना संक्रमण की चेन को तोडने हेतु कोरोना कर्फ्यू का पालन करने, मास्क लगाने, सोषल डिस्टेन्सींग का पालन करने, हाथों को थोडे-थोडे समय में साबुन अथवा सेनेटाइजर से साफकरने के लिए जागरूक करने का कार्य करेंगे। साथ ही 45 एवं इससे अधिक उम्र के व्यक्तियों को टीकाकरण हेतु जागरूक करने का कार्य करेगा।

फेटो 1 क्र 16

कोरोना कर्फ्यू का कडाई से पालन सुनिश्चित करा रहा मैदानी अमला

माही की गूंज, अलीराजपुर

जिले में कोरोना कर्फ्यू को प्रभावी ढंग से लागू कराए जाने के तहत पुलिस और राजस्व अमले ने सख्ती बरतते हुए बेवजह घूमने वालों को कडी फटकार लगाकर अर्थदंड की कार्रवाई कर रहा है। जिलेभर में नगरीय एवं कस्बाई क्षेत्रों में बेरिकेटिंग करके अनावश्यक आवाजाही करने वालों को रोका गया। मार्ग पर अनावश्यक निकले वालों से पूछताछ एवं अनावश्यक रूप से घूमने वालों को वापस घर की ओर पहुंचाया गया। पुलिस का अमला जगह-जगह ड्यूटी पर तैनात रहकर लोंगों को घरों में रहने और कोरोना कर्फ्यू के दिषा निर्देशों का पालन करने के लिए निर्देषित कर रहा है। जिले में जगह-जगह राजस्व अधिकारीगण, थाना प्रभारीगण के नेतृत्व में मैदानी अमले ने सडकों पर निकले लोगों को रोका तथा अनावशयक नहीं घूमने की सख्त हिदायत भी दी।

कोरोना काल में कर्तव्य पर अनुपस्थित रहने वाले खंड शिक्षा अधिकारी को हटाया

पूर्व से ही प्रशानिक स्थानांतरण हो चुका था पर भेंट चढ़ा कर रुके हुए थे

माही की गूंज, पेटलावद

पूर्व मे ही प्रशासनिक स्थानांतरण हो चुके बीईओ राकेश गुप्ता जो पेटलावद मे मलाई दार पद पर जमे रहने के लिए झाबुआ से लेकर भोपाल तक लाखो रुपए की भेंट चढ़ाकर रुके हुए थे। उसके बाद उन रुपयों की उग्रानी के लिए सुबह 9 बजे पहुंचकर शिक्षकों को धर दबोचने की नीति अपना कर उग्रानी का सिल-सिला चलाया था। जिसे लेकर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ने बीईओ को चेताया भी था कि, ये उग्रानी का खेल बंद करे।

अंततः खुद ही लापरवाही मे पकड़े गए, औंरो को सबक देने वाले खुद ही अपने जाल मे फंस गए। राकेश कुमार गुप्ता प्रभारी खण्ड शिक्षा अधिकारी विकासखण्ड पेटलावद 29 अप्रेल से अनुपस्थित होने के कारण कर्मचारियों के वेतन भत्ते एवं मृत कर्मचारियों के अनुग्रह

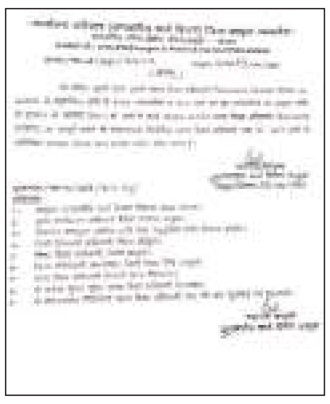

राशि के भुगतान की समस्या उत्पन्न होने से कार्य व्यवस्था अन्तर्गत खण्ड शिक्षा अधिकारी विकासखण्ड पेटलावद का सम्पूर्ण प्रभार शंकरदयाल सिरोठिया खण्ड शिक्षा अधिकारी रामा को अपने कार्य के अतिरिक्त व्यवस्था स्वरूप अन्य आदेश पर्यन्त सौंपा गया है।

हो चुका है स्थान्तरण, सेटिंग से टिका हुआ है बीइओ

खण्ड शिक्षा अधिकारी राकेश गुप्ता का स्थान्तरण मध्यप्रदेश शासन के आदेश से लगभग तीन से चार माह पूर्व ही हो चुका है। लेकिन सेटिंगबाज़ सीनियर प्राचार्य की कमी बताकर किसी और को चार्ज नही देने का बहाना बनाकर राकेश गुप्ता को अब तक रिलीव नही किया है। उधर गुप्ता अपना स्थान्तरण निरस्त करवाने या फिर आस-पास के जिले में करवाने की जुगाड़ लगा है।

कलयुगी बेटा : जायदाद के कारण पुत्र ने दिखाई हैवानियत, बेटे ने ही कर दी माँ की हत्या

माही की गूंज, मंदसौर

जिले के ग्राम असावती में हुई महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि, महिला की हत्या किसी ओर ने नहीं बल्कि उसके बेटे ने ही की थी। बेटा, मां के हिस्से की जमीन बेचना चाहता था, और जमीन का बेटे ने सौदा भी कर दिया था। कलयुगी बेटे की इच्छा था कि, जमीन बेचकर जो रुपए मिलेंगे उससे अच्छा घर बनाऊ और शादी कर लूं, लेकिन माँ जमीन बेचने के लिए राजी नहीं हुई। उक्त बात से नाराज बेटे ने अपनी हेवानियत के साथ घर में सो रही माँ पर कलयुगी बेटे ने कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित बेटे ने स्वयं को निर्दोष दिखाने के लिए लोगों को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस को शंका होते ही पूछताछ शुरू की तो कलयुगी बेटे ने माँ की हत्या करना कबूल किया।

शामगढ़ थाना प्रभारी गोपाल सूर्यवंशी ने बताया कि, मुन्नाबाई पति रतनलाल सोधिया राजपूत (55) निवासी ग्राम असावती 1 व 2 मई की रात में अपने घर में सो रही थी, इसी दौरान किसी ने कुल्हाड़ी से सिर में हमला कर मुन्नाबाई की हत्या कर दी। शामगढ़ पुलिस ने मामले में धारा 302 भादवि में प्रकरण दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू की। जांच के दौरान टीम को पता चला कि, मृतिका मुन्नाबाई पति रतनलाल का पिछले कुछ समय से परिवार में जमीन के बंटवारे व बेचने को लेकर आपस मे विवाद चल रहा था। पुलिस ने इसी बिन्दू पर जांच शुरू की तो मामला सामने आया कि, महिला की हत्या के दो दिन पहले मृतिका मुन्नाबाई के पुत्र चंदरसिंह ने अपनी माँ की हिस्से की एक बीघा जमीन का सौदा चार लाख रुपए मे किया था, जिसको लेकर मां-बेटे मे अन-बन चल रही थी। बेटा चंदरसिंह चाहता था कि सौदे के रुपये से अच्छा घर बनाया जाए, जिससे उसकी शादी हो सके, जो की अच्छा घर नही होने से कोई रिश्ता नही आ रहा था। परन्तु मां इसके लिए तैयार नही थी। पुलिस ने मृतिका के बेटे चंदरसिंह (35) को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस ने बताया कि, महिला की हत्या एक-दो मई की रात्रि में हुई। इससे पहले घटना की रात में आरोपित चंदरसिंह एवं उसकी मां के बीच विवाद हुआ था। चंदरसिंह ने मां से कहा कि, जमीन को बेचकर अच्छा मकान बनाया जाए, जिससे मेरी शादी हो जाये और बची हुई जमीन को बेचने की भी चंदरसिंह ने मां से कहा। ताकि ऐशोआराम का जीवन व्यतीत किया जाए। जिसके लिए उसकी मां तैयार नही हुई तो बेटा इस बात से नाराज होकर गुस्से मे खेत पर सोने के लिए चला गया था।

सुबह साढ़े चार बजे घर पहुंचा, माँ की हत्या की और फिर वापस खेत पर जाकर सो गया

माँ जमीन बेचने को तैयार नहीं हुई तो आरोपित चंदरसिंह ने अपनी माँ को रास्ते से हटाने की सोच ली। उसे लगा कि, जब तक उसकी मां जिन्दा है उसकी शादी नही होगी। इस सोच के साथ चंदरसिंह सुबह साढ़े चार बजे खेत से घर आया, पीछे की तरफसे अंदर जाकर पहले से घर में सोई हुई माँ को घर में रखी कुल्हाडी से सिर पर तीन वार कर मौत के घाट उतार दिया और घटना को दूसरा मोड़ देने एवं पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से आरोपित ने घर का सामान अस्त-व्यस्त कर दिया और वापस खेत पर जाकर सो गया। सुबह आकर सब के सामने नाटक किया की माँ अंदर से दरवाजा नहीं खोल रही व चौकीदार व आस-पास की भीड को एकत्र कर पुलिस को अपनी माँ की हत्या किसी अज्ञात बदमाश के द्वारा की जाने की जानकारी देकर गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने अपनी जांच में हत्या का खुलासा कर शातिर हत्यारे पुत्र की हकीकत उजागर कर दी।

अधिमान्य पत्रकारों को कोराना फ्रंटलाइन वर्कर घोषित करने पर सीएम का आभार

लोकमान्य पत्रकारों को भी फ्रंटलाइन वर्कर करें घोषित- जिला पत्रकार संघ ने की मांग

माही की गूंज, झाबुआ

भारत के विकास की परिकल्पना गांव से ही शुरु होती है और देश के विकास के अहम भूमिका गांव में बसे वह लोकमान्य पत्रकार की होती है जो बिना किसी मेहताने के ही अपना कस्बा, क्षेत्र, तहसील, जिला, प्रदेश व देश के विकास में अपना अहम योगदान देकर अपनी जान को जोखिम में डालकर चुनौतीपूर्ण पत्रकारिता करके अपनी कर्तव्य निष्ठा को पूर्ण करता है, उसे लोकमान्य पत्रकार कहा जाता है। जिन पत्रकारों पर अपने व क्षेत्र की अनियमित्ताओं को उजागर कर विकास के लिए आमजन की आवाज समाचारों का संकलन कर बनते हैं। लेकिन सरकार इन ग्रामीण उर्फलोकमान्य पत्रकारों को पत्रकारिता की मुख्य भूमिका से सरकारी रिकॉर्ड में नहीं जोड़ा जाता है, जो लोकमान्य पत्रकारों के साथ सरकार के लिए चिंतनीय है। बरहाल मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने अधिमान्य पत्रकारों को कोरोना फ्रंटलाइन वर्कर घोषित कर उनके परिवार को 50 लाख रूपए सुरक्षा निधि के रूप में देने का निर्णय लिया है। जिसका जिला पत्रकार संघ झाबुआ जिलाध्यक्ष संजय भटेवरा के साथ पूरा संगठन आभार व्यक्त करता है। साथ ही जिला पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष संजय भटेवरा ने पत्रकारों के हितों को देखते हुए सरकार से गैर मान्यता प्राप्त उर्फलोकमान्य पत्रकार जो पत्रकारिता में अपनी अहम भूमिका निभाकर अपनी जान को जोखिम में डालकर कर्तव्यनिष्ठा का पालन करते हैं, जिन्होंने कोविड के इस महामारी के दौर में भी जन हितेषी को मान्यता देकर अपनी जान को खतरे में डालकर समाचारों का संकलन कर रहे हैं, पत्रकारों को भी फ्रंटलाइन वर्कर सरकार एक नीति बनाकर घोषित किया जाए। वही संकट के इस दौर में भी घर-घर जाकर समाचार-पत्र पहुंचाने वाले हॉकर्स के लिए भी शासन योजना बनाकर राहत प्रदान करें की मांग जिला पत्रकार संघ ने सामुहीक रूप से की है।

पति ने शक के आधार पर किराए दार व पत्नि की कर दी हत्या

जबलपुर। मंगलवार-बुधवार की रात्रि में डबल मर्डर की सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां पति ने अपनी पत्नी और किराएदार की चाकू से वार कर निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने देर रात ही आरोपी पति को भी गिरफ्तार कर लिया है।

ओमती थाना क्षेत्र के नया मोहल्ला इलाके से उक्त सनसनीखेज वारदात सामने आई है। नया मोहल्ला निवासी शफिया के अनुसार उसकी बेटी राबिया का निकाह दमोह निवासी मोहम्मद इब्राहिम उर्फ इब्बू से हुआ था। विवाह के बाद से ही राबिया और इब्राहिम उसके पास रहते थे, दोनों की तीन बेटियां भी हैं। वहीं मृतक शकील भी बतौर किराएदार काफी लंबे समय से शफिया के घर पर अपने घोड़े बांधता था। वहीं देर रात अचानक आरोपी इब्राहिम घर में खाना खा रहा था, इसी दौरान उसकी पत्नी राबिया के साथ शंका के आधार पर बात करते हुए झगड़ा शुरू हो गया, देखते ही देखते गुस्से से लाल इब्राहिम घर से बाहर निकला और उसकी नजर बग्घी के पास खड़े शकील पर पड़ी, उसने शकील पर चाकू से वार कर दिए, शकील की चीख सुनकर राबिया घर के बाहर आई, तो इब्राहिम ने उसके सीने पर भी चाकू से वार किए और भाग निकला।

डॉक्टर ने किया मृत घोषित

इस बीच मची चीख पुकार के बाद घर में ही मौजूद आरोपी की सास शाफ़िया बाहर आई तो पाया कि, उनकी बेटी राबिया और किराएदार शकील खून से लतपथ

जमीन पर पड़े हुए है। आसपास के लोग भी वहां पहुंचे और दोनों को गंभीर हालात में तत्काल विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने राबिया और शकील को मृत घोषित कर दिया।

चरित्र शंका में हुआ हमला

सूचना मिलने पर पहुंची ओमती थाना पुलिस ने मौके पर पहुचकर जॉच शुरू कर दी गई। वहीं हत्या के पीछे क्या वजह रही है इस बात का भी पता लगाया जा रहा है। उक्त मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी इब्राहिम को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि, इब्राहिम को अपनी पत्नी पर शक था कि, वह शकील के साथ उसका संबंध है, पुलिस को उम्मीद है कि कड़ाई से पूछताछ के बाद वारदात के स्पष्ट कारणों का खुलासा हो सकेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422